RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:251 ता. 01 अप्रेल 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मंदिर में हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 35 हुयी

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर के बेलेश्वर मंदिर परिसर में रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने के कारण हुए हादसे में आज सुबह तक मृतकों की संख्या बढ़कर 35 हो गयी। राहत एवं बचाव कार्य सुबह भी जारी हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा सुबह विशेष विमान से भोपाल से इंदौर पहुंचे। वे यहां घटनास्थल भी जाएंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। वे घायलों का हालचाल जाने अस्पताल भी जाएंगे। कम से कम एक दर्जन घायल यहां अस्पताल में भर्ती हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कल देर रात तक 13 लोगों के शव कुए से निकाले गए थे। रात भर और सुबह तक चले राहत एवं बचाव कार्य में शवों की संख्या 35 हो गयी। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अभी कुछ और लोगों के फसे होने की आशंका है और बावड़ी का पानी खाली करने के साथ ही राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है।

रामनवमी के अवसर पर एक निजी कॉलोनी में स्थित बेलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की जा रही थी। मंदिर परिसर में पुरानी बावड़ी थी। इसको छत बनाकर ढक दिया गया था। इस पर श्रद्धालु चला करते थे। कल पूजा अर्चना के दौरान अनेक लोग इस पर खड़े थे। तभी यह छत दिन में लगभग 12 बजे भर भराकर बावड़ी में गिर गयी। इसके बाद घटनास्थल पर हाहाकार मच गया। दोपहर में ही रस्सियों आदि की मदद से राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किए गए थे।

मुख्यमंत्री ने इस घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने इस संपूर्ण मामले दंडाधिकारीय जांच के आदेश दे दिए हैं।

कानपुर में 800 से ज्यादा कपड़ा दुकानों में भीषण आग, 6 कॉम्प्लेक्स पूरी तरह से जले, सेना ने संभाला मोर्चा

आग सबसे पहले एआर टावर में दुकानों के बाहर रखे सामान में लगी। तेज हवाओं के कारण आग ने पल भर में ही कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद देखते ही देखते पूरा तीन मंजिला टावर धधकने लगा।

कानपुर। कानपुर के बांसमंडी स्थित एआर टावर में देर रात 1.30 बजे शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से 6 कॉम्प्लेक्स की करीब 800 दुकानें पूरी तरह से जलकर राख हो गईं। जिससे अरबों रुपए के नुकसान होने की आशंका है। आग लगने की जानकारी मिलते ही पूरा प्रशासन हरकत में आ गया। सेना, एयरफोर्स, पुलिस और फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभाला है। कानपुर, उन्नाव, लखनऊ समेत आस-पास के कई जिलों की 50 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। होलसेल मार्केट में लगी आग 9 घंटे बाद भी नहीं बुझाई जा सकी है। कॉम्प्लेक्स में रुके एक शख्स के मिसिंग होने की जानकारी सामने आई है।

आग सबसे पहले एआर टावर में दुकानों के बाहर रखे सामान में लगी। तेज हवाओं के कारण आग ने पल भर में ही कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद देखते ही देखते पूरा तीन मंजिला टावर धधकने लगा। इसके बाद आग हमराज कॉम्प्लेक्स, नफीस टावर, अर्जुन कॉम्प्लेक्स, मसूद कॉम्प्लेक्स-1 और मसूद कॉम्प्लेक्स-2 तक फैल गई। इन 6 कॉम्प्लेक्स से आग की लपटें और धुआं अभी भी उठ रहा है।

नफीस टावर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया है। इस टावर में भी आग लगी है। आग ने बैंक को भी अपनी चपेट में ले लिया है। व्यापारी रवि शंकर दुबे ने बताया कि 800 से ज्यादा दुकानें जली हैं। आग से 20 अरब यानी दो हजार करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

एआर टावर में रुका एक व्यक्ति लापता

एआर टावर में काम करने वाले ज्ञान प्रकाश लापता हैं। उनकी पत्नी का कहना है कि अभी उनका पता नहीं चल सका है। ज्ञान प्रकाश से साथी ने बताया कि हम 6-7 लोग चौथे फ्लोर पर रात 12 बजे सोने गए थे। एक बजे के बाद आग लगी। आग लगने के बाद हम सभी बाहर आ गए। लेकिन, 40 साल के ज्ञान का पता नहीं चल रहा है। ज्ञान की तलाश के लिए फायर फाइटर्स ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ मास्क लगाकर क्रटावर में घुसे हैं।

आसपास के जिलों से बुलाई गई फायर ब्रिगेड

कानपुर, उन्नाव और लखनऊ समेत कई जिलों की 50 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं। सेना के साथ एयर फोर्स की टीम भी आग पर काबू पाने में जुटी है। कानपुर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड, जॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी और डीएम मौके पर मौजूद हैं।

जॉइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी का कहना है कि टीम आग बुझाने में जुटी है। कपड़े की मार्केट है तो आग तेजी से फैली। अगल-बगल लकड़ी की मार्केट है। तंग रास्ते हैं, आसपास काफी बिल्डिंग हैं। ऐसे में आग और न फैले इसका ध्यान रखा जा रहा है।

एक किलोमीटर के एरिया को सील किया गया

कानपुर बांसमंडी में अग्निकांड के चलते करीब 1 किमी का दायरा सील कर दिया गया है। कोपरगंज चौराहा, बांसमंडी चौराहा और डिप्टी पड़ाव चौराहा से बांसमंडी कपड़ा बाजार को जाने वाले सभी रास्तों को बैरिकेड कर दिया गया है।

केजरीवाल सरकार ने कोरोना योद्धाओं को दिया बड़ा झटका

अप्रैल से 1 करोड़ की सम्मान राशि होगी बंद

नई दिल्ली। कोरोना योद्धाओं को दिल्ली सरकार की ओर से दी जाने वाली एक करोड़ रुपये की सम्मान राशि योजना 3 अप्रैल के बाद बंद हो जाएगी। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर कहा है कि विभागों की तरफ से अभी तक पुराने-पुराने मामलों में कोरोना योद्धाओं को सम्मान राशि देने के लिए प्रस्ताव आ रहे है, इसलिए ये फैसला लिया गया है। दरअसल, दिल्ली सरकार ने कोरोना के दौरान अपनी जान की परवाह किए बगैर कोरोना संक्रमितों की सेवा करने वाले लोगों के लिए इस सम्मान राशि की शुरुआत की थी। सरकार का कहना था कि ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कोरोना योद्धाओं को एक करोड़ की सम्मान राशि उनके परिवार को मिलेगी। जानकारी के मुताबिक, अभी तक कुल 70 से अधिक लोगों को यह सम्मान राशि दी भी जा चुकी है। मगर सरकार ने पाया कि करीब दो साल बीत जाने के बाद भी कोरोना योद्धाओं के लिए सम्मान राशि को लेकर विभागों की ओर से प्रस्ताव आ रहे हैं। अभी तक कोरोना योद्धाओं की सम्मान राशि को लेकर विभागों की ओर से आ रहे

प्रस्तावों को लेकर कैबिनेट में चर्चा हुई थी, जिसके बाद बीते 20 मार्च को एक आदेश जारी करके कहा गया है कि इस निर्देश के जारी होने के बाद अगले दो सप्ताह में कोरोना योद्धा सम्मान राशि के लिए जो प्रस्ताव आएंगे उसी पर विचार किया जाएगा।

अमृतपाल की तलाश में 300 डेरों में सर्च ऑपरेशन, एमपी सिमरनजीत मान बोले- सरेंडर न करे

अमृतसर। 18 मार्च को फरारी के बाद अमृतपाल ने 13वें दिन दूसरा वीडियो जारी कर सरेंडर करने की बात से इनकार किया। वारिस पंजाब दे का चीफ खालिस्तान समर्थक अमृतपाल 14वें दिन भी फरार है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमृतपाल के धार्मिक स्थलों में छुपने का इनपुट मिला है। जिसके बाद अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर समेत पंजाब के सभी धर्मस्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पंजाब के 300 से ज्यादा डेरों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस के टारगेट पर जालंधर, कपूरथला, होशियारपुर और बठिंडा के डेरे हैं। इसके लिए ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। पुलिस एक स्विफ्ट कार की तलाश कर रही है। जिसमें होशियारपुर में इनोवा छोड़ अमृतपाल फरार हुआ। वहीं संगरूर से शिअद (अमृतसर) के सांसद सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि अमृतपाल को सरेंडर नहीं करना चाहिए। उसने गलती की। साथ में ही बॉर्डर था, नेपाल जाने की क्या जरूरत थी, रावी पार कर पाकिस्तान चला जाता। हम 1984 के बाद भी गए थे। जिंदगी खतरे में हो और सरकार ऐसा जुल्म करती हो तो सिख इतिहास में यह सब जायज है। उधर गुरूवार को 28 घंटे में अमृतपाल का दूसरा वीडियो सामने आया। जिसमें अमृतपाल ने कहा कि मैं विदेश नहीं भागूंगा। जल्द ही लोगों के सामने आऊंगा। अमृतपाल ने कहा कि मैं भगौड़ा नहीं हूं, बस बगावत के दिन काट रहा हूं। इससे पहले बुधवार को अमृतपाल का पहला वीडियो और गुरूवार को ही ऑडियो भी सामने आ चुकी है। अमृतपाल का दूसरा वीडियो कैनेडा, च, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, जर्मनी, अमेरिका के 8 IP एड्रेस से इंटरनेट पर डाला गया है।

सरबत खालसा को ढाल बना रहा अमृतपाल!

अमृतपाल को लेकर अब खुफिया एजेंसियों को शक है कि वह सरबत खालसा (सिख धर्मसभा) को ढाल बनाना चाहता है। यही वजह है कि वह सीधे सिखों के सर्वोच्च श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को चैलेंज कर रहा है। अमृतपाल ने जत्थेदार को कहा कि अगर उन्हें वहीर निकालनी है तो इसे श्री अकाल तख्त, अमृतसर से शुरू करे और बठिंडा के तलवंडी साबो स्थित तख्त श्री दमदमा साहिब में सरबत खालसा में खत्म करे। अमृतपाल ने यहां तक कह दिया कि जत्थेदार पर परिवारवाद के आरोप लगते हैं। सरबत खालसा बुलाकर वे इस इल्जाम से मुक्ति पा सकते हैं।

सड़क हादसे में छह बारातियों की हुई मौत

संबलपुर। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले में गुरुवार देर रात एक वाहन के नहर में गिर जाने से छह बारातियों के की मौत हो गयी और दो अन्य घायल हो गये जबकि एक लापता है। सभी मृतक झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर प्रखंड अंतर्गत बरधरा गांव के रहने वाले हैं और मृतकों में दो मृतक एक परिवार के भाई हैं। सूत्रों ने बताया कि दोनों घायलों को संबलपुर जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सभी मृतकों के शवों को संबलपुर जिला मुख्यालय अस्पताल में रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि बारात के ग्यारह सदस्य वाहन में सवार होकर संबलपुर के परमापुर गांव से झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर प्रखंड के बाराधरा गांव लौट रहे थे तभी यह हादसा हो गया। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चला है। वाहन का चालक लापता है। उसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। चालक का पता लगने के बाद ही हादसे के बारे में स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकेगी। घटना का विवरण देते हुये जीवित बचे लोगों में से एक ने कहा कि वाहन में 11 लोग सवार थे। हालाँकि बारात के लगभग 80 सदस्य पाँच से छह वाहनों में दूल्हे के साथ गए थे, लेकिन शादी की रस्में शुरू होने से पहले ही यह वाहन विवाह समारोह से निकल गया।

यूट्यूबर मनीष कश्यप की बढ़ी मुश्किलें, अब तमिलनाडु की अदालत ने तीन दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

मदुरै। तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों को लेकर फर्जी वीडियो शेयर करने के मामले में यूट्यूबर मनीष कश्यप की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। तमिलनाडु पुलिस ने मनीष कश्यप को गुरुवार को मदुरै की अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। इससे पहले, थिंक अपराध इकाई (ईओयू) ने मनीष से पांच दिनों तक पूछताछ की थी।

18 मार्च को हुआ था गिरफ्तार

बता दें कि फर्जी वीडियो के मामले में बिहार पुलिस ने मनीष कश्यप को बेतिया से 18 मार्च को गिरफ्तार किया था। बिहार पुलिस के मुताबिक, पुलिस और ईओयू उसके घर को कुर्क करने की प्रक्रिया में

थी, तभी उसने बेतिया के जगदीशपुर थाने में सरेंडर कर दिया। ईओयू ने मनीष और अन्य आरोपियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरों की कथित पिटाई को लेकर फर्जी वीडियो शेयर करने के मामले में केस दर्ज किया था।

कुर्की के डर से किया सरेंडर

बिहार पुलिस और ईओयू की तरफ से जारी बयान में कहा गया, मजदूरों की पिटाई के फर्जी वीडियो शेयर करने के मामले में मनीष कश्यप को बिहार और तमिलनाडु पुलिस से वांटेड घोषित किया गया था। घर की कुर्की के डर से उसने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया।

इससे पहले, तमिलनाडु के कोयम्बटूर में प्रवासी श्रमिकों पर कथित रूप से हमला करने के आरोप में हिंदू मुन्नानी संगठन के दो सदस्यों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

झूठे आरोप लगाए गए-मनीष कश्यप-वहीं, यूट्यूबर मनीष कश्यप ने सफाई पेश की है। मनीष ने कहा कि मैंने किसी के बारे में कुछ गलत नहीं बोला है। मुझ पर राजनीतिक आरोप लगाए गए हैं। सारे आरोप झूठे हैं। मैंने सिर्फ मजदूरों की आवाज उठाई है।

दिल्ली-यूपी समेत इन राज्यों में होगी बारिश, मौसम विभाग का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में गुरुवार को मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिला। देखते-ही-देखते काली घटाएं छा गईं और तेज हवा के साथ बारिश होने लगी। कई जगह ओले भी गिरे, जिससे तापमान में गिरावट हुई। मौसम विभाग के पूर्वानुमान में इस स्थिति की कोई संभावना नहीं जताई गई थी। हालांकि, कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की बात जरूर कही गई थी। आज भी मौसम विभाग ने तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि होने की संभावना व्यक्त की है।

इन राज्यों में आज हो सकती है ओलावृष्टि

मौसम विभाग ने आज हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पूर्वी राजस्थान में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना व्यक्त की है। इसके साथ ही, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट या भारी बारिश हो सकती है।

पूर्वी भारत में 31 मार्च से लेकर 2 अप्रैल के दौरान पूर्वी भारत में गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओडिशा में आज छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत के असम और मेघालय में 31 मार्च से दो अप्रैल के दौरान भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में एक और दो अप्रैल को भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

15 वर्षों में तीसरा सर्वाधिक वर्षा वाला महीना रहा मार्च

दिल्ली में मार्च का महीना 15 वर्षों के दौरान तीसरा सर्वाधिक बारिश वाला रहा है। माह की औसत सामान्य वर्षा 17.1 मिमी है, जबकि गुरुवाररात साढ़े बजे तक यह 51.8 मिमी, यानी 300 प्रतिशत से भी ज्यादा पहुंच गई। अगर पिछले 15 वर्षों की बात की जाए तो 10 बार भी मार्च में वर्षा सामान्य नहीं रही है। इस वर्ष मार्च में भी तीन बार राजधानी सूखी ही रही, जबकि सात बार औसत से काफी कम वर्षा दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने जारी किया आरेंज अलर्ट

शुक्रवार के लिए पहले जहां यलो अलर्ट जारी किया गया था, उसे बाद में आरेंज अलर्ट में बदल दिया गया। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 33.4 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 17.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 37 से 94 प्रतिशत रहा। बीच-बीच में कहीं-कहीं हल्की बारिश भी होती रही।

आज भी छाए रहेंगे बादल

स्काईमेट वेदर के मुताबिक, मौसम में बदलाव की वजह एक के बाद एक सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ और अन्य मौसमी गतिविधियां हैं। यह दौर अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक जारी रह सकता है। आज भी बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं ओले भी पड़ सकते हैं।

17 उड़ानों को किया गया डायवर्ट

बिगड़े मौसम के कारण गुरुवार देर शाम तक दिल्ली आ रही 17 उड़ानों को नई दिल्ली के बजाय अलग-अलग जगहों पर डायवर्ट करना पड़ा। प्रभावित उड़ानों में विदेश से आ रही उड़ानें भी शामिल हैं। जिन विमानों को डायवर्ट किया गया है, उनमें आठ को जयपुर, आठ को लखनऊ व एक को देहरादून भेजा गया। इनमें मुंबई, उदयपुर, श्रीनगर जबलपुर, मदुरई, कोयम्बटूर व अन्य स्थानों से आ रही उड़ानें शामिल हैं।

नवरात्र में माता वैष्णो देवी के दर पहुंचे 3 लाख से जयादा श्रद्धालु

जम्मू । चैत्र नवरात्र का गुरुवार को समापन हो गया। नवरात्रि का त्योहार पूरे देशभर में पूरे भक्तिभाव और धूमधाम से मनाया गया। खासतौर पर हिंदुओं के पवित्र तीर्थ स्थल माता वैष्णो देवी पर नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की बेहद भारी भीड़ उमड़ी। यहाँ हालात ये थे कि माता वैष्णो देवी भवन में पांव तक रखने की जगह नहीं थी। इस बार नवरात्रों में माता वैष्णो देवी के दर्शन को लगभग 3.20 श्रद्धालु आए। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अनुसार, नवरात्रों में माता वैष?णो देवी के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ रही। बोर्ड के अनुसार, नवरात्रों के पावन 9 दिनों में माता वैष्णो देवी मंदिर में 3.20 लाख श्रद्धालुओं ने माथा टेककर आशीर्वाद लिया। श्राइन बोर्ड से ईएमएस को मिली जानकारी के अनुसार, नवरात्र पहले दिन 33,850, दूसरे दिन 32,678, तीसरे दिन 33,400, चौथे दिन पर 40,000 पाचवे दिन 43,000, छटवे दिन 35,000, सातवें दिन 35,000 और आठवे दिन 35,000 श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए और माथा टेका। पूरे नवरात्र के दौरान आधार शिविर कटरा और माता वैष्णो देवी भवन में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कटरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान रेलवे की तरफ से भी कटरा में यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालु बसों, टैक्सी और निजी वाहनों से भी भारी संख्या में वैष्णो देवी पहुंचे। नवरात्रि में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में सार्वभौमिक शांति, सद्भाव, समृद्धि और मानवता के स्वास्थ्य के लिए 9 दिन तक शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया था। जिसका गुरुवार को रामनवमी के पावन अवसर पर पूर्णाहुति के साथ समापन हो गया।

न सोने की जगह, न नहाने को पानी, तिहाड़ जेल में ठूस-ठंसकर भरे जा रहे कैदी

नई दिल्ली। देश की तिहाड़ जेल में क्षमता से कहीं ज्यादा कैदियों को रखे जाने से भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ ज्यादा होने से यहां कैदियों को नहाने और टॉयलेट जाने तक के लिए लाइनों में लगना पड़ रहा है। एक-एक घंटे बाद कैदियों का नंबर आ रहा है। जेल सूत्रों ने बताया कि नौ जेलों के कैंपस वाली तिहाड़ जेल में यूं तो जेल नंबर-1, 3 और 4 में क्षमता से कहीं अधिक कैदी बंद हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहां की जेल नंबर-4 में आना शुरू हो गई है। हद तो तब हो गई जब यहां 740 कैदियों को रखने की क्षमता वाली इस जेल में कैदियों की संख्या 3700 को पार कर गई है। तिहाड़ में इन दिनों क्षमता से पांच गुना से भी अधिक कैदी बंद हैं। इस मामले में तिहाड़ जेल के प्रवक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि तिहाड़ की जेल नंबर-4 में क्षमता से पांच गुना से भी अधिक कैदी हो गए हैं। तिहाड़ की जेल नंबर-4 में कैदियों को रखने की क्षमता 740 कैदियों की है, लेकिन यहां 3750 कैदी बंद हैं। जेल अधिकारियों का कहना है कि मामले पर लगातार नजर रखी जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में कैदियों के लिए खाना बनाने के लिए हर दिन करीब 125 कैदियों को लगाना पड़ रहा है। सोने के लिए भी इस जेल में कैदियों के लिए जगह कम पड़ रही है। तिहाड़ की इस अकेली जेल नंबर-4 में कैदियों की संख्या छह जेलों के कैंपस वाली मंडोली जेल के लगभग बराबर हो गई है। छह जेलों वाली मंडोली जेल में 3800 से ज्यादा कैदी हैं, जबकि इस अकेली जेल नंबर-4 में कैदियों की संख्या 3700 से अधिक पहुंच चुकी है। इस जेल में फिलहाल कैदियों को पीने के पानी और खाने की दिक्कत नहीं होने दी जा रही है। भीड़ ज्यादा होने से कैदियों पर नजर रखने में भी दिक्कत हो रही है। कोरोना काल में जिन कैदियों को पैरोल और अंतरिम जमानत मिली थी उन्हें 15 दिनों के अंदर सरेंडर करने के आदेश दिए गए हैं। ऐसे में जेलों में कैदियों की संख्या और भी बढ़ने से भारी मु?श्किलें हो सकती हैं।

भिखारी को भी देना होगा भरण पोषण का खर्चा

चंडीगढ़ । पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला दिया है। याचिकाकर्ता (पति) यदि शारीरिक रूप से सक्षम है, तो उसे अपनी पत्नी को गुजारा भत्ता देना ही होगा। हाईकोर्ट ने यह भी कहा यदि कोई व्यक्ति भिखारी भी होगा, और वह शारीरिक रूप से सक्षम है। ऐसी स्थिति में यदि वह रोजाना मजदूरी भी करेगा,तो उसे 500 रूपये प्रतिदिन मजदूरी मिलती है। ऐसी स्थिति में उसे अपनी पत्नी का गुजारा भत्ता देने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा। हाईकोर्ट ने पत्नी को 15000 रूपये प्रति माह भरण-पोषण राशि देने और 11000 रूपये मुकदमा खर्च देने का आदेश दिया है। उल्लेखनीय है,कि तलाक के एक मामले में पति ने अपनी आर्थिक हालत को बयां करते हुए गुजारा भत्ता देने से इनकार किया था। न्यायमूर्ति एचएस मदान ने अपने फैसले में कहा है, पति यदि भिखारी भी है, इसके बाद भी पत्नी के भरण पोषण करने की जिम्मेदारी पति की है। फैमिली कोर्ट के आदेश के विरुद्ध पति ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसे पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है।

15 लाख मोबाइल फोन बंद

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने गलत प्रमाण पत्र के आधार पर 15 लाख मोबाइल फोन के कनेक्शन काटने के आदेश दिए हैं। केंद्रीय संचार मंत्री देवुसिंह चौहान द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार साइबर क्राइम से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उसमें से एक कदम यह भी है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त प्रमाण पत्र पेश कर मोबाइल चिप लेकर गलत तरीके से मोबाइल का उपयोग किया जा रहा था। ऐसे 15 लाख कनेक्शन बंद कर दिए गए हैं।

नवनीत राणा का हिंदू शेरनी लिखा हुआ पोस्टर मुंबई में जगह-जगह लगा

-सांसद राणा ने यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को आड़े हाथों लिया

मुंबई । मुंबई में रामनवमी पर्व पर अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत रवि राणा ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर पोस्टर से निशना साधा। हनुमान चालीसा पंक्ति के चलते जेल जाने के लगभग एक साल बाद महिला सांसद ने गुरुवार को पलटवार किया। करीब एक साल पहले नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को जेल जाना पड़ा था। अभिनेत्री से नेता बनी नवनीत राणा का पोस्टर उन्हें हिंदू शेरनी बताते हुए बांद्रा पूर्व, ठाणे, अमरावती और ठाकरे के घर मातोश्री के पास और अन्य स्थानों पर देखे गए। भगवान राम के 14 साल के वनवास से तुलना करते हुए सांसद नवनीत राणा को पोस्टरों पर भगवा रंग की साड़ी पहने दिखाया गया है, जिसमें लिखा है राजद्रोह और 14 दिन जेल में। सांसद नवनीत राणा ने यह भी घोषणा की कि 6 अप्रैल को हनुमान जयंती दिवस पर अमरावती में भगवान हनुमान की 111 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा, जिसके बाद वहां हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ होगा। पोस्टर में सबसे ऊपर दाएं कोने में भगवान राम की तस्वीर है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और उनके पति रवि राणा की तस्वीरें हैं और भगवान हनुमान की प्रतिमा की एक तस्वीर है जिसका अगले महीने उद्घाटन किया जाना है।

बुलेट मोटरसाइकिल पर जय श्री राम व जय हनुमान के नारे लगाते निकलीं राणा

सांसद नवनीत राणा ने गुरुवार सुबह बुलेट मोटरसाइकिल की सवारी करके, चमकीले नारंगी रंग की टोपी के साथ गहरे काले रंग का सलवार-कुर्ता सूट पहनकर जय श्री राम और जय हनुमान के पूरे जोरों से नारे लगाते हुए रामनवमी समारोह का माहौल तैयार किया। पिछले साल अप्रैल में, नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा और उनके समर्थकों ने ठाकरे के बांद्रा स्थित घर के बाहर हनुमान चालीसा का जाप करने का प्रयास किया था। हालांकि, एमवीए शासन ने राणाओं को रास्ता नहीं दिया, उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उन्हें जेल में डाल दिया, जबकि ठाकरे सरकार मुश्किल से तीन महीने बाद जून 2022 में गिर गई। बाद में, राणाओं को एक विशेष अदालत ने जमानत दे दी।

ममता पर गिरिराज का निशाना

बंगाल में ऐसा माहौल बना दिया है जैसे इस्लामिक स्टेट हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रामनवमी के मौके पर हुई हिंसा को लेकर राजनीतिक जबरदस्त तरीके से जारी है हावड़ा में रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान जबरदस्त बवाल देखने को मिला। कई गाड़ियों में आगजनी भी कर दी गई। इसी को लेकर अब वह राजनीति शुरू हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जहां विपक्षी भाजपा पर हमलावर है तो ही भाजपा की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। इन सब के बीच केंद्रीय मंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि ममता बनर्जी ने बंगाल में ऐसा माहौल बना दिया है ऐसा कि इस्लामिक स्टेट हो।

अपने बयान में गिरिराज सिंह ने कहा कि केवल हावड़ा नहीं पूरे बंगाल में भय का वातावरण बना हुआ था...ममता बनर्जी जो भाषण दे रही थी वो देश को शर्मसार करने वाला है। उन्होंने साफ तौर पर तुष्टीकरण की हद है। जिस समय उनका बयान आया उसके बाद ही आगजनी की खबरे शुरू हुई। उन्होंने अपना हमला डारी रखते हुए कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी ने ऐसा माहौल बना दिया है जैसे इस्लामिक स्टेट हो। इन सब के बीच खबर यह है कि रामनवमी पर आगजनी के एक दिन बाद आज हावड़ा में पथराव की एक और घटना हुई। मौके पर सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं।

वहीं, पूरे मामले को लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि हावड़ा की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हावड़ा में हिंसा के पीछे न तो हिंदू थे और ना ही मुस्लिम थे। बजरंग दल और अन्य ऐसे संगठनों के साथ भाजपा हथियारों के साथ हुई इस हिंसा में शामिल थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उन सभी लोगों की मदद करेगी जिनकी संपत्तियों को झड़पों के दौरान नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हावड़ा में बृहस्पतिवार को हुई हिंसा के सिलसिले में 31 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी दही को लेकर भाजपा पर हुए आगबबूला

बेंगलुरु । पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और भाजपा सरकार को कर्नाटक दुग्ध महासंघ (केएमएफ) को दही के पैकेट पर हिंदी शब्द दही प्रमुखता से लेबल करने और संबंधित कन्नड़ शब्द मोसरू को कोष्ठक में इस्तेमाल करने के निर्देश के लिए फटकार लगा दी है। जनता दल (एस) के नेता ने कहा कि ये स्वीकार्य नहीं है। केएमएफ के उत्पाद नंदिनी प्रोबायोटिक कर्ड पर दही शब्द की छपाई गलत है। उन्होंने कहा कि यह देश के लोगों के विरोध को जानने के बावजूद कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने के लिए किया गया है। कुमारस्वामी ने कहा कि हिंदी थोपना पिछले दरवाजे से नहीं हुआ है। थोपना सीधे आया है। डबल इंजन सरकार और उसकी सहायक केएमएफ ने चुपचाप इस स्वीकार कर लिया है। यह एक कन्नड़ विरोधी अधिनियम है। वहीं तमिलनाडु बीजेपी के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि एफएसएसएआई का ये कदम क्षेत्रीय भाषा को बढ़ावा देने की केंद्र की नीति के मुताबिक नहीं है। सीएम स्टालिन ने कहा था कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को देश के दक्षिणी हिस्से से निकाल देना चाहिए। राजनीतिक विवाद छिड़ने के बाद फूड सेफ्टी रेगुलेटर एफएसएसएआई ने अपने आदेश में संशोधन कर दही के पैकेट के प्रिंटेड लेबल में क्षेत्रीय नामों के इस्तेमाल की इजाजत दे दी। कहा गया कि फूड बिजनेस ऑपरेटर अब लेबल पर ब्रैकेट में क्षेत्रीय नाम के साथ दही शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं : सिब्बल

-दिग्विजय के बयान से असहमति जाहिर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी को लेकर राजनैतिक वार-पलटवार का दौर जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस के पूर्व नेता, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल साथ आ रहे हैं, क्योंकि वे देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। इसके साथ ही सिब्बल ने कहा कि एक भी विपक्षी दल ऐसा नहीं है जो ईडी, सीबीआई के राडार पर न हो। सिब्बल ने कहा कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल गैर-बीजेपी राज्य सरकारों को गिराने के लिए हो रहा है। पहले बीजेपी का लक्ष्य कांग्रेस मुक्त भारत था, लेकिन अब यह विपक्ष मुक्त राष्ट्र है। इसके साथ ही सिब्बल ने कांग्रेस नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बयान से असहमति जाहिर की। राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराने का संज्ञान लेने के लिए कांग्रेस नेता दिग्विजय द्वारा जर्मनी का आभार जताया गया था। लेकिन सिब्बल ने इससे अपनी अलग राय रखी है। सिब्बल ने कहा कि हमें विदेश से समर्थन की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारी लड़ाई हमारी अपनी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं है। सिब्बल ने ट्वीट कर कहा, ''दिग्विजय भारत में लोकतंत्र से किस तरह खिलवाड़ किया जा रहा है, इसका संज्ञान लेने के लिए बर्लिन का शुक्रिया। मेरी राय में हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं है। हमें विदेश से समर्थन की जरूरत नहीं है। हमारी लड़ाई हमारी अपनी है और उसमें हम एक साथ हैं।'' भाजपा ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा जर्मनी को धन्यवाद दिए जाने के बाद विपक्षी पार्टी पर 'भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी ताकतों को आमंत्रित करने' का आरोप लगाया था। इसके साथ ही राज्यसभा सांसद ने कहा कि मोदी हर जगह पिछड़ा (जाति) नहीं है, मोदी कोई संस्था नहीं है, तब ये किस आधार पर कह रहे हैं, कि राहुल गांधी ने ओबीसी लोगों का अपमान किया? तब वह माफी क्यों मांगे? उन्होंने कहा कि उन्हें (बीजेपी को) माफी मांगनी चाहिए क्योंकि वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे लोकतंत्र को खतरे में डालने की साजिश कर रहे हैं।

भाजपा की 10 प्रतिशत वोट बैंक पर नजर, नीतीश कुमार के वोट बैंक में लगा रही सेंध

-कुशवाह समुदाय को साधने में जुटी भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी ने सियासी जंग तेज कर दी है। मीडिया के अनुसार भाजपा कुमार के वोट बैंक पर सेंध लगाने की योजना बना रही है। वहीं भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का काम संभालने वाले सुनील ओझा को भी बिहार भेजा है। बिहार में भाजपा कुमार के लव-कुश वोट बैंक पर चोट देने की प्लानिंग कर रही है। इनमें भी पार्टी का खास फोकस कुशवाह वोट बेस पर है। दरअसल, लव-कुश कुर्मी और कोइरी जातियों से बना है, जो राज्य की आबादी में करीब 10 फीसदी की हिस्सेदारी करती है। अब कुर्मी समुदाय से आने वाले सीएम कुमार ने इनका चुनावी समर्थन हासिल कर लिया था।

भाजपा सासाराम में 2 अप्रैल को सम्राट अशोक का जन्मदिन मनाने की तैयारी कर रही है। कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी शामिल होने वाले हैं। राज्य में कुशवाह समुदाय सम्राट अशोक को अपने पूर्वज की तरह मानता है। बिहार

भाजपा के प्रमुख सम्राट चौधरी का कहना है कि जिस लव-कुश गठबंधन के साथ कुमार ने बंधुआ मजदूर की तरह बर्ताव किया, वह भाजपा के साथ जाने जाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को बिहार इकाई का प्रमुख नियुक्त किया है। वह कुशवाह समुदाय से आते हैं। इसके अलावा पार्टी ने ओझा को बिहार का सह प्रभारी बनाया है। कहा जाता है कि वह पीएम मोदी के साथ मिलकर काम करते हैं और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पार्टी का काम संभाल रहे थे। उनके अलावा राज्य में भाजपा की ओर से भीखूभाई डलसानिया की मौजूदगी भी होगी, जो भाजपा की बिहार इकाई के संगठन सचिव हैं। ओझा के अलावा भीखूभाई भी गुजरात से आते हैं और कई सालों तक मोदी के साथ काम कर चुके हैं। इसमें मुख्यमंत्री के तौर पर उनका गुजरात कार्यकाल भी शामिल है।

दिल्ली में हालात चिंताजनक नहीं, केजरीवाल बोले- सरकार लगातार स्थिति पर नजर रख रही है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते कोरोना वायरस के मामले को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज बड़ी बैठक की। बैठक के बाद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना को मध्यनजर हम जरूरी कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि देश के छह राज्यों में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं पर दिल्ली में हालात चिंताजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना से लड़ने के लिए हम पास 7986 बेड तैयार हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों पर घबराने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली की तैयारी पुख्ता है।

दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 295 नए मामले सामने आए और संक्रमण की दर 12.48 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। दिल्ली में पिछले साल 31 अगस्त के बाद एक दिन में सबसे अधिक 300 मामले बुधवार को सामने आए थे और दो लोगों की मौत हुई थी। संक्रमण दर 13.89 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

रुस के बाद चीन से सऊदी अरब की नजदीकी, भारत के लिए चिंता की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज ने समझौते ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी दी है, जिसमें सऊदी को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के डायलॉग पार्टनर का दर्जा मिला है। चीन के नेतृत्व वाले सुरक्षा ब्लॉक एससीओ में सऊदी अरब का शामिल होना दोनों देशों के बीच की बढ़ती करीबी के तौर पर देखा जा रहा है। किंग सलमान ने एमओयू पर मंजूरी के दौरान ही सऊदी अरब और चीन के बीच तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण के शुभारंभ को भी मंजूरी दी। भारत के महत्वपूर्ण ऊर्जा सहयोगी का चीन के करीब जाना भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

भारत का महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार और पुराना मित्र रूस भी हाल के महीनों में चीन के बेहद करीब हो गया है। इसके बाद एक और महत्वपूर्ण साझेदार का चीन के पाले में जाना भारत के लिए चिंता का सबब बन गया है। एससीओ 8 सदस्य देशों से मिलकर बना है जिसमें चीन, रूस, भारत अहम देश हैं। ईरान, अफगानिस्तान सहित चार देश हैं, जिन्हें ऑब्जर्वर देश का दर्जा मिला है। वहीं, सऊदी अरब को मिलाकर एससीओ में अब 9 डायलॉग पार्टनर हो गए हैं। सऊदी अरब और चीन की बढ़ती करीबी का ही नतीजा है कि ईरान और सऊदी ने अपनी दुश्मनी को भुलाकर हाल ही में राजनयिक रिश्तों को फिर से बहाल किया है।

अब सलाखों के पीछे कैदी नंबर 17052 बन गया अतीक अहमद

- सलाखों के पीछे अपने प्रभाव का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा अतीक, करना पड़ेगा काम

इलाहाबाद (एजेंसी)। उमेश पाल हत्याकांड मामले में आजीवन सश्रम कारावास की सजा पाने वाला माफिया अतीक अब सलाखों के पीछे कैदी नंबर 17052 बन गया है। अब वह दूसरे कैदियों की तरह जेल की वर्दी पहनेगा और काम करेगा। सलाखों के पीछे वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। बताया गया है कि साबरमती जेल प्रशासन की ओर से सजायाफ्ता कैदी नंबर और वर्दी आवंटित किए जाने के बाद अतीक के हावभाव बदल गए हैं। उसे जेल

मैनुअल के अनुसार काम की सूची सौंपी गई है, ताकि उसकी अवस्था के अनुसार काम लिया जा सके। पिछले कई साल से सलाखों के पीछे कथित रूप से आराम करने वाले अतीक के लिए जेल का माहौल पहले जैसा नहीं रहेगा। पुकार लगाने पर उसका नाम लेने की बजाय कैदी नंबर बुलाया जाएगा। दूसरे कैदियों की तरह अतीक भी लाइन में खड़ा होकर खाना लेगा और काम करेगा।

जानकारों का कहना है कि अतीक नैनी, देवरिया, बरेली सहित कई जेलों में रह चुका है, लेकिन उसके शौक कम नहीं होते थे। वह जेल अधिकारियों और कर्मचारियों पर प्रभाव जमाता रहा है। देवरिया जेल में लखनऊ के बिल्डर और प्रयागराज के प्रापर्टी डीलर की बेरहमी से पिटाई भी की थी। साबरमती जेल में रहते हुए उसने एक शख्स को फोन करके धमकी दी थी तो दूसरे से रंगदारी मांगी थी। उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की हत्या की तफ्तीश में यह बात सामने आई थी कि अतीक आइफोन पर फेस टाइम एप के जरिए गुर्गों से संपर्क में था। मगर अब वह सजायाफ्ता कैदी हो गया है तो उसकी हनक भी कम होने की बात कही जा रही है। उधर, नैनी जेल में बंद अतीक के वकील खान सौलत हनीफ व दिनेश पासी को भी एक सप्ताह में कैदी नंबर आवंटित कर दिया जाएगा और उनसे काम भी लिया जाएगा। इनको भी सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

नवजोत सिंह सिद्धू के लिए खुशखबरी, पटियाला जेल से शनिवार को होंगे रिहा, ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेटर से राजनेता बने नवजोत सिंह सिद्धू के लिए खुशखबरी है। नवजोत सिंह सिद्धू शनिवार को पटियाला जेल से रिहा हो सकते हैं। इस बात की जानकारी सिद्धू के ट्विटर हैंडल से दी गई है। हालांकि पंजाब सरकार की ओर से इसको लेकर विधिवत जानकारी नहीं दी गई है। कई कैदियों की रिहाई को लेकर पंजाब सरकार की बैठक चल रही है। आपको बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू 1990 के एक रोडवेज मामले में 1 साल की सजा काट रहे हैं। 20 मई 2022 को उन्हें पटियाला जेल में बंद किया गया था। नवजोत सिंह सिद्धू देश के वरिष्ठ राजनेता रह चुके हैं। वह भाजपा के सांसद रह चुके हैं।

बाद में सिद्धू कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उन्हें पंजाब कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया। हालांकि, उनके नेतृत्व में पंजाब में कांग्रेस की हार हुई थी। नवजोत सिंह सिद्धू को 19 मई 2022 को 1 साल की सजा सुनाई गई थी। नियमों के मुताबिक उन्हें 18 मई तक जेल में रहना था। लेकिन कैदियों को हर महीने 4 दिन की छुट्टी भी मिल जाती है। सिद्धू ने इस दौरान एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। ऐसे में उन्हें जेल से 48 दिन पहले रिहा किया जा सकता है। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर भी उनके जेल से रिहाई की उम्मीद थी। 50 कैदियों को गणतंत्र दिवस पर विशेष छूट दी जाती है। उनमें सिद्धू का भी नाम आ सकता था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इससे पहले नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी ने एक भावुक पत्र लिखा था। नवजोत कौर सिद्धू ने ट्विटर पर खुलासा किया कि उन्हें स्टेज 2 कैंसर का पता चला है। कांग्रेस नेता को निर्दोष बताते हुए उन्होंने लिखा, कांग्रेस नेता ने पति को लेकर लिखा कि हर दिन आपका इंतजार करना शायद आपसे ज्यादा तकलीफ देता है। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह आपके दर्द को दूर करने की कोशिश करते हुए इसे साझा करने के लिए कहा। वह एक ऐसे अपराध के लिए जेल में हैं, जो उन्होंने किया ही नहीं है। इसमें शामिल सभी लोगों को माफ कर दें।

कंगाल पाकिस्तान में नया संकट, पायलट देश छोड़कर भाग रहे

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की महाकंगाली का असर अब हर सेक्टर में दिखाने लगा है। पाकिस्तानी संसद की विमानन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी को सूचना दी गई कि बड़ी संख्या में पायलट हाल ही में देश छोड़कर चल गए हैं। दरअसल, इन पायलटों को अपनी सैलरी में भारी कटौती का डर सता रहा है जो ज्यादा टैक्स के नाम पर कंगाल पाकिस्तान सरकार ले सकती है। कंगाल हो चुकी सरकारी विमानन कंपनी पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइंस के सीईओ अमीर हयात ने बताया कि 15 पायलट हाल ही में देश छोड़कर चले गए हैं। हयात ने कहा कि पीआईए नए पायलटों की भर्ती करना चाहती है, लेकिन मंजूरी नहीं मिल पा रही है। कमिटी के चेयरमैन सीनेटर हिदायतुल्ला ने कहा कि पायलट बनने के सपना देख रहे लोगों का भविष्य संकट में पड़ सकता है। उन्होंने पाकिस्तानी सांसदों से अपील की कि वे इस टैक्स के पूरे मामले को सरकारी नियामक संस्था के साथ उठाएं। सीनेट कमिटी को नागरिक विमानन प्राधिकरण ने विदेशी विमानन कंपनियों को हवाई रास्ता नहीं देने के कारणों के बारे में बताया गया। पाकिस्तान ने कई विदेशी एयरलाइन कंपनियों के डॉलर रोक रखा है जिससे अब ये कंपनियां पाकिस्तानी कस्टमर से कह रही हैं कि वे डॉलर में भुगतान करके अपने टिकट खरीदें। सीनेट कमिटी को बताया गया है, कि यात्री वीपीएन का इस्तेमाल करके टिकट खरीद रहे हैं। इससे उन्हें पाकिस्तान में खरीदे जाने वाले टिकट से कम दाम में टिकट मिल जा रहा है। पाकिस्तान ने कंगाली दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर टैक्स बढ़ा दिया है। यही नहीं कमिटी के मुलाकात में खुलासा हुआ कि पाकिस्तान इंटरनैशनल एयरलाइन के 141 पायलट के लाइसेंस संदिग्ध हैं। इससे पहले खुलासा हुआ था कि पाकिस्तान के कई पायलट ने पैसे देकर एयरलाइन पायलट का लाइसेंस हासिल किया था। इसके बाद कई पायलटों की उड़ान पर रोक लगा दी गई थी। इस दौरान पायलटों की फेक डिग्री का भी मुद्दा उठा। पीआईए ने बताया कि कई पायलटों को फर्जी डिग्री के साथ पकड़ा गया है और उन्हें बर्खास्त किया गया है। इस दौरान यह भी खुलासा हुआ कि पाकिस्तान की सरकारी एयरलांइस पीआईए को अरबों रुपये का बकाया चुकाना है।

महाराज चार्ल्स तृतीय जर्मन संसद को संबोधित करने वाले पहले राष्ट्र प्रमुख

लंदन । महाराज चार्ल्स तृतीय को जर्मन संसद बुंडेस्टैग को संबोधित करने वाले ब्रिटेन के पहले राष्ट्र प्रमुख बन गए। उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर केंद्रित अपनी यात्रा के दौरान जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज से भी मुलाकात की। खचाखच भरे निचले सदन में सांसदों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित कर चार्ल्स ने ब्रिटेन और जर्मनी के बीच घनिष्ठ संबंधों पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने हनोवर के राजघराने से अपने पारिवारिक संबंध और वर्तमान आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक तथा दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग का जिक्र किया। चार्ल्स ने कहा कि रूस के आक्रमण को रोकने के प्रयासों में लंदन और बर्लिन ने यूक्रेन को काफी सहायता प्रदान की है। चार्ल्स ने जब अपना संबोधन समाप्त किया, तब सांसदों ने काफी समय तक खड़े होकर तालियां बजाईं, जो जर्मनी की संसद में शायद ही कभी देखा गया हो। चार्ल्स (74) ब्रिटेन की राजगद्दी पर आसीन होने के बाद बुधवार को पहली विदेश यात्रा पर बर्लिन पहुंचे और उनके साथ रानी कैमिला भी हैं। जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वाल्टर स्टेनमीयर और लोगों की भीड़ ने राजधानी स्थित ऐतिहासिक ब्रांडेनबर्ग गेट पर उनका स्वागत किया।

फेसबुक पर फांस के राष्ट्रपति का अपमान, ठोंका 10 लाख रुपये जुर्माना

पेरिस । फेसबुक पर एक महिला को फांस के राष्ट्रपति का अपमान करना भारी पड़ गया है। उस पर भारी जुर्माना ठोंका गया है। जानकारी के मुताबिक एक महिला को अपनी फेसबुक पोस्ट में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को 'गंदा' बताने के आरोप में सजा मिली है। इस मामले में महिला को दोषी पाए जाने के बाद 12,000 यूरो (लगभग 10 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। महिला के फेसबुक पोस्ट पर शिकायत दर्ज करने के बाद उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक यह शिकायत उसके फेसबुक पेज पर 21 मार्च को किए गए एक पोस्ट पर केंद्रित थी। जिसके एक दिन पहले मैक्रों ने अपने विवादास्पद पेंशन सुधारों का बचाव करने के लिए एक इंटरव्यू दिया था। जिसने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में आग में घी डालने का काम किया था। महिला ने फेसबुक पर लिखा था, 'गंदगी का यह टुकड़ा आपको दोपहर 1 बजे संबोधित करने वाला है। हम हमेशा टीवी पर ही इस गंदगी को देखते हैं।' गौरतलब है ?कि यह महिला पहले से ही मैक्रों की विरोधी रही हैं। वह साल 2018-2019 के 'येलो वेस्ट' प्रोटेस्ट की समर्थक रही हैं. उस समय इस विरोध प्रदर्शन ने मैक्रों की सरकार को हिला कर रख दिया था। वैलेरी नाम की महिला ने कहा कि शुक्रवार की सुबह जब पुलिस ने उनके घर पर दस्तक दी तो वह यह जानकर हैरान रह गईं कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने आई है। महिला ने कहा, 'मैंने उनसे पूछा कि क्या यह मजाक है. मुझे कभी गिरफ्तार नहीं किया गया था.' महिला ने कहा, 'मैं जनता की दुश्मन नंबर एक नहीं हूं। गौरतलब है कि पेंशन सुधार के खिलाफ महीनों से चले आ रहे विरोध आंदोलन ने फ्रांस में मैक्रों के खिलाफ तनाव को बढ़ा दिया है।

अफीका में रहस्यमय वायरस का प्रकोप,, नाक से खून निकलते ही मौत

गिटेगा। अफ्रीकी देश बुरुंडी के लाखों लोगों को एक अज्ञात वायरस ने घेर लिया है। इस रहस्यमय वायरस के प्रकोप ने इतना भय का माहौल बना रखा है कि लोग जान की मुश्किल में पड़ गए हैं। जानकारी के मुताबिक, कस्बे के बजीरो इलाके में एक रहस्यमयी वायरस के कारण कुछ लोगों की नाक से खून निकलने से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। अज्ञात बग के कारण बुखार, सिरदर्द, चक्कर और उल्टी सहित कई लक्षण लोगों को परेशान कर रहे हैं. देश में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरण इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि वे पहले ही इबोला और मारबर्ग की आशंका से इनकार कर चुके हैं। इस बीच दो लोगों को एक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए लाए जाने के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने बाज़ीरो क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया है। इस मामले में मिगवा स्वास्थ्य केंद्र की एक नर्स ने कहा कि यह बीमारी 'जल्दी मारती है'. अस्पताल पहुंचने से 24 घंटे से भी कम समय पहले तीन मरीजों की नाक से खून बहने लगा था जिनकी मौत हो गई। बुरुंडियन स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि वायरस एक संक्रामक रक्तस्रावी बग प्रतीत होता है। हालां ?कि इस महीने की शुरुआत में, पड़ोसी तंजानिया ने मारबर्ग प्रकोप की घोषणा की थी, जिसके बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्ल्यूएच ?ओ एचओ ने आस-पास के देशों को 'बहुत उच्च जोखिम' इलाका घोषित किया था।

मस्क ने ओबामा को पछाड़ा, ट्विटर पर सबसे ज्यादा फॉलोअर्स

वॉशिंगटन । ट्विटर के सीईओ एलन मस्क सबसे ज्यादा फालोअर्स वाले व्यक्ति बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को भी पीछे छोड़ दिया है। पिछले साल 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीदने वाले अरबपति एलन मस्क के फॉलोअर्स की संख्या ओबामा के 133,042,819 की तुलना में अब 133,068,709 फॉलोअर्स हैं। 113 मिलियन से अधिक ट्विटर फॉलोअर्स के साथ जस्टिन बीबर और 108 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ कैटी पेरी जैसी शीर्ष हस्तियां क्रमशः तीसरे और चौथे सबसे अधिक फॉलो किए जाने वाले स्थानों पर हैं। मस्क पिछले साल जून में 100 मिलियन फॉलोअर्स-मार्क तक पहुंचे और तब से उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त वृद्धि हुई है। जबकि ओबामा शायद ही कभी ट्वीट करते हैं, विशेष रूप से वह एक प्रमुख सामाजिक कारण को बढ़ावा देने या अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने काम को उजागर करने वाले ट्वीट करते हैं, जबकि मस्क दुनिया में ट्रेंड करने वाले लगभग सभी विषयों पर बाएं, दाएं और केंद्र में ट्वीट करते रहते हैं। मस्क ने फरवरी में कहा था कि वह अपने ट्विटर अकाउंट को यह देखने के लिए निजी बना रहे हैं कि क्या यह पहुंच में सुधार करता है। उन्होंने पोस्ट किया, मेरे अकाउंट को कल सुबह तक के लिए निजी कर दिया गया ताकि यह जांचा जा सके कि क्या आप मेरे सार्वजनिक ट्वीट्स की तुलना में मेरे निजी ट्वीट्स अधिक देख सकते हैं। इसका मतलब यह था कि अरबपति के ट्वीट केवल उनके फॉलोअर्स ही देख सकते थे और कोई भी मस्क के ट्वीट को रीटवीट करने में सक्षम नहीं था। मस्क ने बाद में अपने खाते से निजी सेटिंग हटा दी थी।

नेसविली कांनवेंट स्कूल में हुई गोलीबारी का विरोध करते हुए लोग बैनर लेकर बंदूक संस्कृति का विरोध करते हुए।

राष्ट्रपति चुनाव के पहले ही ट्रंप पर लगे आरोप, हो सकती है जेल

वॉशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें उस समय और बढ़ गई जब उनपर किसी पोर्न स्टार को पैसे देने का आरोप लगाया है। ट्रंप को उनके 2016 के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान के दौरान एक पॉर्न स्टार को गुपचुप तरीके से पैसे देने के लिए दोषी ठहराया है। इसी के साथ ट्रंप आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं। सीएनएन के अनुसार, ट्रंप जल्दी ही कोर्ट में पेश हो सकते हैं। ट्रंप के खिलाफ यह फैसला तब आया है जब वह अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। न्यूयॉर्क ग्रैंड जूरी ने ट्रंप को स्ट्रॉर्मी डेनियल्स नामक पॉर्न स्टार को गुपचुप तरीके से पैसे देने के लिए दोषी ठहराया है। 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक चौंकाने वाले खुलासे को दबाने के लिए भीतर ही भीतर एक गहन बातचीत हुई। यह खुलासा ट्रंप और डेनियल के रिश्ते को लेकर था। दावा किया गया कि ट्रंप और पॉर्न स्टार, जिनका असली नाम स्टेफनी क्लिफोर्ड है, साल 2006 में रिलेशनशिप में थे। इससे एक साल पहले 2005 में ट्रंप की शादी उनकी वर्तमान पत्नी मेलानिया ट्रंप से हुई थी। हालांकि ट्रंप ने पूरे मामले में खुद को दोषमुक्त करार दिया है। उन्होंने जांच पर सवाल उठाए हैं और इस मुकदमे को राजनीतिक उत्पीड़न करार दिया है। वर्तमान में ट्रंप 2024 के चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में अपनी गिरफ्तारी की आशंका जताई थी। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने अपने समर्थकों से विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा था। पहले भी ट्रंप अपने समर्थकों का इस्तेमाल चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने के लिए कर चुके हैं।

एससीओ के सदस्य देश बातचीत के जरिए मतभेदों को दूर कर विवादों को सहयोग के जरिए सुलझाएं: चीन

-चीन ने एससीओ देशों से आतंकवाद पर कार्रवाई का भी किया आह्वान

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों से बातचीत के जरिए अपने मतभेदों को दूर करने, आतंकवादी ताकतों से सख्ती से निपटने और सभी देशों की आर्थिक बेहतरी तथा सामाजिक स्थिरता के लिए संयुक्त रूप से एक मजबूत सुरक्षित माहौल बनाने का आह्वान किया है। वीडियो लिंक के माध्यम से बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित एससीओ सदस्य देशों के सुरक्षा परिषद सचिवों की बैठक में भाग लेने वाले चीनी स्टेट काउंसलर और लोक सुरक्षा मंत्री वांग शियाओहोंग ने कहा कि एक संतुलित, प्रभावी और टिकाऊ नए क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने की। एससीओ में चीन, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। भारत इस वर्ष के लिए समूह की अध्यक्षता कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वांग ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि एससीओ के सदस्य देश बातचीत के जरिए अपने मतभेदों को दूर करें और विवादों को सहयोग के जरिए सुलझाएं। उन्होंने सदस्य देशों से आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की ताकतों को पूरी तरह से रोकने और निपटने के लिए कहा तथा दूरसंचार और इंटरनेट धोखाधड़ी, ऑनलाइन जुआ तथा मादक पदार्थों की तस्करी जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया। वांग ने कहा कि एससीओ देशों को कानून प्रवर्तन और सुरक्षा के क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करना चाहिए तथा संयुक्त रूप से सभी देशों के आर्थिक सुधार और सामाजिक स्थिरता के लिए एक मजबूत सुरक्षित माहौल तैयार करना चाहिए।

चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता एवं वरिष्ठ कर्नल तान केफेई ने बृहस्पतिवार को यहां ऑनलाइन प्रेस वार्ता में बताया कि मंत्रालय के एक कार्यकारी समूह ने हाल में एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रालयों के तहत अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग विभागों के बीच बैठकों में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया था।

81 हिंदू लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन कराया, मामला उजागर

इस्लामाबाद। (एजेंसी) । पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों के जबरन धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार साल 2022 में कम से कम 124 घटनाओं में अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों और महिलाओं को जबरन धर्मांतरण कराया गया, जिसमें 81 हिंदू, 42 ईसाई और एक सिख शामिल थीं। जानकारी के अनुसार एक ह्यूमन राइट्स ऑब्जर्वर 2023 फैक्ट शीट से पता चला है कि 23 प्रतिशत लड़कियां 14 साल से कम उम्र की थीं, उनमें से 36 प्रतिशत की उम्र 14 से 18 साल के बीच थी और पीड़ितों में से केवल 12 प्रतिशत वयस्क थीं, जबकि पीड़ितों में से 28 प्रतिशत की उम्र की रिपोर्ट नहीं की गई है। इसी तरह 2022 में सिंध में जबरन धर्म परिवर्तन के पैंसठ प्रतिशत मामले दर्ज किए गए, इसके बाद पंजाब में 33 प्रतिशत और खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में 0.8 प्रतिशत मामले दर्ज किए गए। एक पाकिस्तानी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, फैक्ट शीट से पता चला कि वर्ष 2022 के दौरान पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ धार्मिक कटेंट काफी बढ़ गए और शिक्षा प्रणाली में कई सार्वकालिक और नई चुनौतियां सामने आईं। सेंटर फॉर सोशल जस्टिस (सीएसजी) की एक रिपोर्ट में धार्मिक अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले पांच प्रमुख मुद्दों को शामिल किया गया है, जिसमें शिक्षा प्रणाली में भेदभाव, जबरन धर्मांतरण, ईशनिंदा कानूनों का दुरुपयोग, अल्पसंख्यकों के लिए राष्ट्रीय आयोग की स्थापना और अल्पसंख्यक कैदियों के लिए जेल में छूट शामिल हैं। हालांकि ईशनिंदा कानूनों के तहत 171 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिनमें से 65 प्रतिशत मामले पंजाब में और 19 प्रतिशत सिंध में सामने आए। ईशनिंदा की सबसे ज्यादा घटनाएं कराची में देखी गई, इसके बाद चिनियोट, फैसलाबाद, गुजरांवाला, डेरा गाजी खान, ननकाना साहिब, लाहौर और शेखूपुरा का स्थान रहा। ईशनिंदा पीड़ितों की सबसे बड़ी संख्या (88) मुस्लिम थी, उसके बाद 75 अहमदी, चार ईसाई और दो हिंदू थे, जबकि दो आरोपियों की धार्मिक पहचान का पता नहीं चल सका।

इस्लामाबाद में पाक विदेश मंत्री की इफ्तार पार्टी में भारतीय राजनयिक हुए शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। इस्लामाबाद स्थित राजनयिक कोर के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा आयोजित इफ्तार रात्रिभोज में एक भारतीय राजनयिक शामिल हुए। विदेश मंत्री बिलावल ने राजधानी में स्थित राजनयिकों के साथ भारतीय प्रभारी अधिकारियों को निमंत्रण दिया। सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि भारत ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और

उसके वरिष्ठ राजनयिक ने विदेश कार्यालय में रात्रिभोज में भाग लिया।

भारत और पाकिस्तान आमतौर पर इस तरह के समारोहों में एक-दूसरे को आमंत्रित करने से बचते हैं, लेकिन इफ्तार डिनर में एक भारतीय राजनयिक की उपस्थिति से संकेत मिलता है कि अगर पाकिस्तान रक्षा और विदेशी की आगामी भारत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंत्री की बैठकों में भाग लेता है तो दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर बातचीत की संभावना हो सकती है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, राजनयिक कोर को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वह यह स्वीकार करने के लिए तैयार थे कि पिछली सरकार द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सामूहिक रूप से जिक्र करते हुए, बहुत सारी कठिनाइयां 'हमारी' खुद की बनाई हुई थीं।

हम कुछ ऐसे निर्णयों के आर्थिक परिणामों का सामना कर रहे हैं जो हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। लोग बाढ़ के रूप में एक जलवायु आपदा के विनाशकारी प्रभाव का सामना कर रहे हैं, जिसके घटित होने में उनकी बहुत कम या कोई भूमिका नहीं रही है। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा, युवा पीढ़ी विशेष रूप से उन फैसलों के परिणामों का सामना कर रही है जो उन्होंने नहीं किए। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण जो आर्थिक संकट पैदा हुआ है, उसका सामना केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया कर रही है। बिलावल ने कहा, 'दुनिया में भू-राजनीतिक स्थिति ने दुनिया के सामने आने वाले परिणामों की बढ़ती सूची में इजाफा किया है।

बीजिंग नई दिल्ली को उकसावे वाले कुछ कदम उठाए : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय एवं आवास व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी ने भारत के साथ निकटता से काम करने की अमेरिका की मंशा पर जोर देकर कहा कि बीजिंग ने भारत-चीन सीमा पर उकसावे वाले कुछ कदम उठाए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के उप सहायक एवं हिंद-प्रशांत मामलों के समन्वयक कर्ट कैंपबेल ने कहा, हमें उस भूमिका को समझने की जरूरत है जो भारत वैश्विक मंच पर एक महान राष्ट्र के रूप में निभाएगा। कैंपबेल ने कहा, '' हम इस प्रोत्साहित करना चाहते हैं, और इसका समर्थन करना चाहते हैं। हम उस रिश्ते को और गहरा करना चाहते हैं, जो पहले से ही बहुत मजबूत है। दोनों देशों के लोगों के आपसी संबंध अमेरिकी लोगों के वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के लोगों से संबंधों की तुलना में सबसे मजबूत हैं..रिपोर्ट में कहा कि भारत-चीन सीमा पर घुसपैठ तथा झड़पों की घटनाएं बढ़ गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत एवं चीन के बीच सीमा को लेकर शत्रुता की बढ़ती आशंका का अमेरिका पर और इन दो एशियाई दिग्गजों के बीच उसकी हिंद-प्रशांत रणनीति पर असर पड़ता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अधिकारियों का मानना है कि चीन भारत को पाकिस्तान के साथ उसकी पश्चिमी सीमा तथा चीन के साथ पूर्वी सीमा पर उलझा कर चीनी महत्वाकांक्षाओं को चुनौती देने की भारत की इच्छा तथा क्षमता को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। कैंपबेल ने थिंक-टैंक से कहा, ''5,000 मील की इस विशाल सीमा पर चीन ने जो कुछ कदम उठाए हैं, वे भड़काने वाले तथा भारतीय भागीदारों व दोस्तों के लिए बेहद चिंताजनक है। इस रिपोर्ट में भारत के साथ लगती सीमा पर चीनी आक्रमण को रोकने और प्रतिक्रिया देने में मदद के लिए कई सुझाव दिए गए हैं।

चिली में मिला एवियन इन्फ्लुएंजा ए एच5एन1 बर्ड फ्लू से संक्रमित पहला व्यक्ति

- डब्ल्यूएचओ ने किया सभी देशों से सतर्कता बढ़ाने का आग्रह

टोकोपिला (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार उत्तरी चिली में एवियन इन्फ्लुएंजा ए एच5एन1 बर्ड फ्लू से संक्रमित पहला व्यक्ति मिला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि तटीय शहर टोकोपिला में 53 वर्षीय एक व्यक्ति गंभीर निमोनिया से पीड़ित है, लेकिन स्थिर स्थिति में है। यह तुरंत पता नहीं चला कि वह कैसे संक्रमित हुआ। मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि इस बीमारी के प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य प्रोटोकॉल को सक्रिय किया गया था और संबंधित नमूने सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा विश्लेषण के लिए लिए गए थे, जिसने पुष्टि की कि यह एवियन इन्फ्लुएंजा है। इस संक्रमण के स्रोत और रोगी के संपर्कों की जांच की जा रही है, ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि कोई और प्रभावित तो नहीं हुआ है।

इक्वाडोर में जनवरी में 9 साल की एक बच्ची के मामले के बाद चिली में बर्ड फ्लू का यह पहला मानव मामला है और दक्षिण अमेरिका में दूसरा मामला है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन आखिरकार वह ठीक हो गई। यह एवियन इन्फ्लुएंजा दुनिया भर में फैल गया है। एच5एन1 वायरस के नवीनतम प्रकोप ने रिकॉर्ड संख्या में पक्षियों को मार डाला है और अन्य लोगों के अलावा ऊदबिलाव, समुद्री शेर, लोमड़ी, डॉल्फिन और सील में भी फैल गया है। माना जाता है कि चिली में 500 से अधिक समुद्री शेर एच5एन1 से मर गए थे। पड़ोसी पेरू में प्रकोप ने हजारों पक्षियों के अलावा लगभग 3 हजार 500 समुद्री शेरों को मार डाला है।

आज हम व अमेरिका जितने करीब हैं, इतिहास में उतने कभी नहीं रहे: ताइवानी राष्ट्रपति साइ इंगवेन

- अमेरिका में ताइवानी राष्ट्रपति के बयान से भड़का ड्रैगन

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। ताइवान की राष्ट्रपति साइ इंगवेन अमेरिका में चीन को चुभने वाली बातें कही हैं। वेन ने न्यूयॉर्क में ताइवानी अमेरिकी समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम और अमेरिका जितने करीब हैं, इतिहास में उतने कभी नहीं रहे। उनका यह बयान चीन को चिढ़ाने वाला माना जा रहा है, जो अमेरिका और ताइवान की सरकारों के बीच दौरों का विरोध करता रहा है। चीन का कहना है कि यह उसकी वन चाइना पॉलिसी के खिलाफ है। ताइवान से अमेरिका की दोस्ती का चीन हमेशा से विरोध करता रहा है और उसे अपनी संप्रभुता के खिलाफ बताता है।

साइ इंग-वेन ने बुधवार की रात को दिए अपने भाषण में अमेरिका को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हमारी सुरक्षा को मजबूत किया है और लगातार सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि यदि ताइवान सुरक्षित रहेगा तो दुनिया सेफ रहेगी। उन्होंने कहा कि ताइवान अपने लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर दुनिया को लोकतंत्र की दिशा में ले जाने का प्रयास करता रहेगा। हालांकि, इस बीच चीन समर्थक लोगों ने साइ इंग-वेन के कार्यक्रम के बाहर आंदोलन भी किया।

चीनी समर्थकों ने ताइवान के खिलाफ नारेबाजी की और चीन के झंडे लहराए। यही नहीं, ऐसे एक प्रदर्शनकारी को गिरफ्तारी भी कर लिया गया, जिसने एक तख्ती ले रखी थी। इस तख्ती में लिखा था कि ताइवान की राष्ट्रपति चीन की सबसे बड़ी गद्दार हैं। इस बीच चीन की सरकार ने भी ताइवान को चेतावनी दी है कि वह अमेरिका जाकर हमारे खिलाफ बातें न करे। चीनी सरकार ने कहा कि हम साइ इंग-वेन के दौरे पर नजर रख रहे हैं। अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हम तत्पर हैं।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि हम अमेरिका और ताइवान के बीच किसी भी तरह की आधिकारिक मीटिंग का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपनी सुरक्षा और संप्रभुता को बचाए रखने के लिए पूरी नजर रखे हुए हैं। गौरतलब है कि चीन की

ओर से ताइवान की राष्ट्रपति और अमेरिकी संसद के स्पीकर केविन मैककार्थी के बीच प्रस्तावित बैठक का विरोध किया गया है। हालांकि, अब तक अमेरिका या फिर ताइवान की ओर से इस मीटिंग के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ कहा नहीं गया है।

संपादकीय

जीने का जज्बा

उम्र का कोई भी पड़ाव हो हर समय हमको जीने का जज़्बा रखना चाहिये । कहते है की जिसने जीने का जज्बा खो दिया मानो उसने अपना जीवन खो दिया । आत्मा का रूप है न रंग है ! ये तो महसूस करने का जज़्बा है ! कोशिश हर किसीकी है कि हर वो चीज़ हासिल करलूँ अपने प्रयास से मिलेगी खुशी !सुख ! मन चाही !पर जाने क्यूँ फिर भी कुछ कमी सी है लगती । आज के समय , सभी के लियें सबसे ज्यादा जरूरी हैं की बाहर से ज्यादा हम भीतर से मजबूत बने क्यूँकी भीतर की मजबूती हमें कभी भी किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होने देती आज के समय , सभी के लियें सबसे ज्यादा जरूरी हैं की बाहर से ज्यादा हम भीतर से मजबूत बने क्यूँकी भीतर की मजबूती हमें कभी भी किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होने देती है । हमारे में अगर आत्मविश्वास ,दृढ़मनोबल,प्रामाणिकता आदि है तो हमे अपने जीवन के व जीने के जज्बे का मज़बूत लक्ष्यों पर स्थिर रहने में सहायक बनती है। इसलिए जीवन जीने का सकारात्मक सही जज़्बा हमेशा लगातार क़ायम रहे जीवन में आत्मविश्वास के साथ । स्वयं स्फूर्त चेतना ही अपने गंतव्य पथ पर अविराम गतिमान बनी रहती है। जल की प्रचंड तेजधार ही हर बाधा को चीर कर अंतिम सांस तक बहती है।जब उद्देश्य केवल सात्विक, पारमार्थिक तथा सबजन हिताय के साथ जीने के जज्बा का होता है तब ही उस उत्साह की पवित्र श्रम बूंदे ,महोत्सव की गौरव गाथा कहती है। जीवन का भरपूर आनंद हर हाल में हर जगह में होगा यदि उत्साह की गाड़ी में सवार है। कहने को तो स्वर्ग भी हताश से भरा है पर जहाँ जोश है हौंसला है वह धरा भी स्वर्ग से कम नही। तभी तो टूटते नहीं मुसीबतों में यही अपनी पहचान है।हिलते नहीं हवाओं से हम तो एक चट्टान है। बर्फ नहीं जो दो पल में पिघलने कि हमें आदत है।जज्बे से हर वक्त को बदलने कि हमें आदत है।हम खुद को मजबूत माने और विकट परिस्थिति में भी नहीं हारे बल्कि और ताकत से लड़ते हुए जीत जाए । बस यही उत्साह सदा जीने के जज्बा का बना रहे ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सवाल पूछने का हक और जवाब की मर्यादा

विश्वनाथ सचदेव

उस दिन अचानक सोशल मीडिया पर एक 'रील' दिख गयी थी। मुश्किल से एक-दो मिनट की इस रील में प्रधानमंत्री मोदी से कुछ पत्रकार सवाल पूछते दिख रहे थे। पत्रकार सवाल पूछते, प्रधानमंत्री सवाल सुनकर चुपचाप मुंह फेर लेते। यह तो पता नहीं चल पाया, यह वीडियो किस अवसर का था, पर इसमें कुछ अस्पष्ट नहीं था कि प्रधानमंत्री पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं देना चहते थे, या फिर यह भी संभव है कि वे उन सवालों को उत्तर देने लायक नहीं समझ रहे थे। जिस तरह सवाल पूछना पत्रकार का अधिकार है, वैसे ही उत्तर देने, न देने का अधिकार उसे भी है जिससे सवाल पूछा जा रहा है। लेकिन, एक फर्क है दोनों स्थितियों में। यदि किसी नेता से उसके कहे-किये के बारे में कुछ पूछा जा रहा है तो उसका मौन रह जाना कुछ और सवाल भी खड़े कर देता है। उचित तो यही है कि राजनेता पूछे गये सवालों के ईमानदारी से जवाब दें। पर अक्सर ऐसा होता नहीं। समझदार राजनेता जब चाहते हैं, सवाल टाल जाते हैं। इस तरह टाल जाना भी एक कला है। भले ही कितना भी अनुचित लग रहा हो, सोशल मीडिया वाले उस वीडियो में प्रधानमंत्री का चुप्पी साध लेना इसी कला का एक प्रदर्शन था। पर विपक्ष के एक नेता राहुल गांधी ऐसी कला का प्रदर्शन नहीं कर पाये। एक प्रेस-वार्ता में जब एक पत्रकार ने उनसे एक सवाल पूछा तो उन्होंने जवाब देने के बजाय उस पत्रकार की नीयत पर ही सवाल उठा दिया। उसे सतारूढ़ दल का सदस्य या चमचा बताते हुए उसकी 'हवा निकाल दी'। अनावश्यक था राहुल गांधी का इस तरह पत्रकार पर आरोप लगाना या फिर हवा निकाल देने जैसी बात कहना। राहुल गांधी का यह व्यवहार अनुचित भी था, और अप्रिय भी। राहुल गांधी से यह पूछा गया था कि भाजपा द्वारा उन्हें 'अन्य पिछड़े वर्ग' का शत्रु करार दिये जाने पर उन्हें क्या कहना है। पत्रकार ने भाजपा के हवाले से यह बात पूछी थी, यह सही है, पर ऐसी किसी बात से इस सवाल का कोई रिश्ता नहीं था कि जवाब देने के बजाय पत्रकार पर किसी राजनीतिक दल का एजेंट होने का आरोप लगाया जाये। और कहा जाये, 'क्यों, हवा निकल गयी (ना)?' नेताओं की जुबान का फिसलना कोई नयी बात नहीं है। कई बार कुछ शब्द निकल जाते हैं मुंह से। पर संभाल भी लेते हैं ऐसी स्थिति को। अपनी ग़लती भी स्वीकार कर लेते हैं। राहुल गांधी भी चाहते तो हंसकर शब्द वापस ले सकते थे। उन्हें यही करना चाहिए था। पर उन्होंने ऐसा नहीं किया। ग़लत था यह। पर उस प्रेस-वार्ता में एक और ग़लत बात भी हुई, अनेक वरिष्ठ पत्रकार थे उस प्रेस-वार्ता में। उन में से किसी ने भी राहुल गांधी से यह नहीं पूछा, या उन्हें नहीं कहा कि उनका यह व्यवहार अनुचित है कि हवा निकाल देने जैसी बात उन जैसे राजनेता के मुंह से शोभा नहीं देती, कि उन्हें अपने कहे पर खेद प्रकट करना चाहिए। आज जब यह लिख रहा हूं तो मुझे लगभग आधी सदी पुरानी एक घटना याद आ रही है। तब मैंने पत्रकारिता में प्रवेश किया ही था। लखनऊ की बात है। प्रखर समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया की एक प्रेस-वार्ता में मुझे अपने अखबार 'नेशनल हेरल्ड' से भेजा गया था। वहां कुछ ऐसा पूछ लिया था मैंने जिस पर डॉ. लोहिया कुछ भड़क-से गये। देश के वरिष्ठ और सम्माननीय नेता का 'गुस्सा' देखकर मुझ जैसे नये पत्रकार का सहम जाना स्वाभाविक था। मेरे पास में ही स्टेट्समेन के एक वरिष्ठ पत्रकार बैठे थे। मेरा सहमना उन्होंने भी देखा होगा। मेरा बचाव करते हुए उन्होंने लोहिया जी से कहा था, 'नाराज़ क्यों हो रहे हैं लोहिया जी, युवा पत्रकार के सवाल का जवाब दीजिए न?' डॉ. लोहिया तत्काल नरम पड़ गये थे। मुस्कराने लगे। और बड़े इत्मीनान से उन्होंने पूछे गये सवाल का जवाब दिया। मैं सोच रहा हूं, राहुल गांधी की प्रेस-वार्ता में किसी पत्रकार ने उनसे क्यों नहीं कहा कि उनकी बात, उनका व्यवहार उचित नहीं है? भाजपा वाले भले ही कुछ कहते रहें, पर अब राहुल गांधी परिपक्व नेता हो चुके हैं, भारत-जोड़ो यात्रा के दौरान उन्होंने अपना क्षमता कई बार प्रमाणित की है। उक्त प्रेस-वार्ता में यदि कोई पत्रकार उन्हें संकेत देता तो शायद वे हवा निकालने जैसी बात कहने पर खेद भी व्यक्त करते। सुना है, अब कुछ पत्रकार संगठनों ने, जिनमें मुंबई प्रेस क्लब भी शामिल है, राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाया है। जनता का अधिकार है उनसे यह पूछने का कि ओबीसी-विरोधी होने के आरोप के बारे में उन्हें क्या कहना है। वैसे भी, राजनीतिक नफे-नुकसान की दृष्टि से उन्हें यह बात स्पष्ट करनी ही चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब भाजपा के नेताओं ने कुछ शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है और फायदा उठाया भी है। बहरहाल, यह मुद्दा कुछ ग़लत शब्द बोलने न बोलने तक ही सीमित नहीं है। मुद्दा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी है, और जनतंत्र में स्वतंत्र मीडिया की भूमिका का भी। समाचारपत्र या मीडिया जनतंत्र के चौकीदार हैं, वे सत्ता-संरचना का हिस्सा बनकर नहीं रह सकते। सवाल पूछना मीडिया का दायित्व है, भले ही सत्ता-प्रतिष्ठान या राजनीति से जुड़े लोगों के लिए सवाल कितना भी असहज करने वाला क्यों न हो। हो सकता है कि मीडिया में भी कुछ तत्व ऐसे हों जो सवाल पूछने के अपने कर्तव्य और अधिकार का ग़लत लाभ उठाना चाहें, पर ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने वालों को इस बारे में सतत जागरूक रहना होगा कि उनकी स्वतंत्रता और अधिकारों का हनन कोई न करे। राजनेताओं का कुछ भी बोल देना, अथवा अवमाननापूर्ण चुप्पी साध लेना, जनतंत्र के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ही नहीं, जनतांत्रिक मूल्यों का अपमान करना भी है। यहीं इस बात को भी समझना ज़रूरी है कि आज हमारी पत्रकारिता भी विश्वसनीयता के संकट से जूझ रही है।

पत्रकारिता में ऐसे तत्वों की भी कमी नहीं जो दल-विशेष या विचारधारा-विशेष के हितों के लिए काम कर रहे हैं। पर इसका अर्थ यह भी नहीं है कि सिर्फ इसीलिए हम समूची पत्रकारिता को कटघरे में खड़ा कर दें। दूसरे, पत्रकारों को भी इस बात को समझना होगा कि उनकी सतत जागरूकता ही उनकी ताकत है। इस ताकत को बनाये रखना ज़रूरी है और यह काम पत्रकारों की अपने पेशे के प्रति वैयक्तिक निष्ठा से ही हो सकता है। एक साहस की आवश्यकता होती है इसके लिए। पत्रकार में यह साहस बना रहे, तभी पत्रकारिता सार्थक हो सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बरकरार है मूर्ख दिवस की प्रासंगिकता

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- मूर्ख दिवस (1 अप्रैल) पर विशेष

विश्वभर के लगभग सभी देशों में पहली अप्रैल का दिन 'फूल्स डे' अर्थात् 'मूर्ख दिवस' के रूप में ही मनाया जाता है। कोई छोटा हो या बड़ा, इस दिन हर किसी को जैसे हंसी-ठिठौली करने का बहाना मिल ही जाता है और हर कोई किसी न किसी को मूर्ख बनाने की चेष्टा करता नजर आता है। लोग एक-दूसरे को किसी तरह का नुकसान पहुंचाए बिना ऐसी असत्य और मनघडंत कल्पनाओं को ही यथार्थ का रूप देकर, जिन पर कोई भी आसानी से विश्वास कर सके, एक-दूसरे को मूर्ख बनाने की चेष्टा करते हैं और अक्सर बहुत चतुर समझे जाने वाले व्यक्ति भी मूर्ख बन ही जाते हैं। शायद यही कारण है कि इस दिन चाहे कोई किसी का कितना ही विश्वासपात्र क्यों न हो, मस्तिष्क में यह बात विराजमान रहती है न कि कहीं यह हमें मूर्ख तो नहीं बना रहा! कई बार होता यह भी है कि लोग कोशिश तो करते हैं दूसरों को मूर्ख बनाने की लेकिन इस कोशिश में खुद ही मूर्ख बन जाते हैं और जब ऐसा होता है तो वाकई बड़ा मनोरंजक माहौल बन जाता है। कभी-कभी तो इस दिन सैंकड़ों-हजारों की संख्या में लोग एक साथ 'मूर्ख' बनते भी देखे गए हैं। 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने का कारण यह माना जाता रहा है कि पुराने जमाने में चूंकि नए साल की शुरूआत 1 अप्रैल से ही होती थी, अतः लोग इस दिन को हंसी-खुशी गुजारना चाहते थे ताकि उनका पूरा साल हंसी-खुशी बीते। लोगों की इसी धारणा के चलते 1 अप्रैल को 'हास्य दिवस' के रूप में मनाने की परम्परा शुरू हुई थी लेकिन धीरे-धीरे लोगों का उत्साह इस दिवस के प्रति कम होने लगा तो कुछ लोगों ने इस दिन कृत्रिम हास्य के जरिये दूसरों को बेवकूफ बनाना शुरू कर दिया। लोगों को भी यह अंदाज इतना पसंद आया कि इस परम्परा ने धीरे-धीरे 'मूर्ख दिवस' का रूप ले लिया। 'अप्रैल फूल' बनाने की पश्चिमी देशों में शुरू हुई परम्परा भारतीय संस्कृति में कब और कैसे प्रवेश कर गई, यह पता भी न चला लेकिन भले ही इस परम्परा पर पाश्चात्य संस्कृति का रंग बहुत गहरा चढ़ा है पर यदि हम इस परम्परा में निहित उद्देश्यों को गहराई में जाकर देखें तो गौरवशाली भारतीय संस्कृति के आधार पर भी यह परम्परा गलत नहीं ठहराई जा सकती क्योंकि आज की भागदौड़ भरी अस्त-व्यस्त सी जिन्दगी में व्यक्ति के पास जहां चैन से सांस लेने के लिए दो पल की भी फुर्सत नहीं है, वहीं इस दिवस के बहाने साल में सिर्फ एक दिन ही सही, व्यक्ति को खिलखिलाकर हंसने का मौका तो मिलता है। संभवतः 'मूर्ख दिवस' मनाने की परम्परा की पृष्ठभूमि में व्यस्त जिंदगी में मानव मन को कुछ पल का सुकून प्रदान करने की प्रवृति ही समायी है लेकिन इसके साथ-साथ इस मौके पर इस बात का ध्यान रखा जाना भी अत्यंत आवश्यक है कि 'मूर्ख दिवस' सभ्य मजाक के जरिये किसी को कुछ समय के लिए मूर्ख बनाकर मनोरंजन करने का दिन है। अप्रैल फूल के बहाने जानबूझकर किसी के साथ ऐसा कोई मजाक न करें, जिससे उसकी भावनाओं को ठेस पहुंचे या उसका कोई अहित अथवा नुकसान हो। मूर्ख दिवस की आड़ में किसी से अपनी दुश्मनी निकालने या अपने अपने किसी अपमान का बदला लेने की चेष्टा भी नहीं होनी चाहिए। यदि आप विशुद्ध भावना से शुद्ध हास्य के जरिये इस दिन किसी को मूर्ख बनाने की कोशिश करते हैं तो सभवतः उस व्यक्ति को आपके मजाक का बुरा भी नहीं लगेगा। वैसे भी शुद्ध हास्य तनाव से मुक्ति प्रदान करने के साथ-साथ मन में आपसी प्रेम भाव तथा भाईचारे की भावना का संचार भी करता है और शुद्ध हास्य से सराबोर माहौल और भी खुशनुमा बन जाता है। ऐसे में मूर्ख दिवस मनाने की प्रासंगिकता आज के तनाव व घुटन भरे माहौल में बहुत बढ़ जाती है।

हमारे यहां गधे और उल्लू को हमेशा 'मूर्ख' की उपमा दी जाती रही है, इसलिए अपने दोस्तों, परिचितों अथवा संबंधियों को एक अप्रैल के दिन कुछ समय के लिए ही सही, मूर्ख बनाकर अपना व दूसरों का स्वस्थ मनोरंजन करने में कोई हर्ज नहीं है। यदि ऐसा करते समय शालीनता, शिष्टता व सभ्यता की उपेक्षा न की जाए तो कोई संदेह नहीं कि मूर्ख दिवस की महत्ता आज के दमघोंटू माहौल में कई गुना बढ़ जाती है और वर्ष भर में एक दिन के लिए ही सही, यह दिन हमें हंसी-खुशी के फव्वारे छोड़ने अर्थात् खिलखिलाकर हंसने-हंसाने तथा मनोरंजन करने का भरपूर अवसर प्रदान करता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं और 33 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय हैं)

विचार मंथन

कर्ज लेकर कर्ज चुकाएगीं सरकारें

(लेखक-सनत कुमार जैन)

-धन कमाने ओर चुनाव जीतने के लिए कर्ज?

केंद्र सरकार, राज्य सरकारें,नगरीय प्रशासन, वित्तीय संस्थान, सभी कर्ज लेकर कंबल ओढ़कर अकूत कमाई कर रहे हैं। चुनाव जीतने के लिए कर्ज लेकर, वोटर को चुनाव के पहले नगद राशि बांटकर, कर्ज के पैसे से राजनीतिक दल चुनाव जीत रहे हैं।देश की अस्सी फ़ीसदी आबादी गरीब है। कर्ज लेकर मुफ्त की रेवड़ी बांटकर चुनाव तो जीत जाते हैं। उसके बाद हर साल केंद्र एवं राज्य सरकार परोक्ष और अपरोक्ष रूप से टैक्स बढ़ा रहे हैं। टैक्स की वसूली कुर्की डिग्री के माध्यम से कर रहे हैं। कुछ राज्यों की हालत इतनी खराब हो गई है,कि अब कर्ज चुकाने के लिए और कर्ज लेना पड़ रहा है। राजनेता और अधिकारी कर्ज लेकर भारी कमाई कर रहे हैं।वहीं आम जनता टैक्स के बोझ से दब गई है। आम जनता कर्ज के बोझ से भी दबी हुई है। खर्च चलाने के लिए जनता ने भी अपनी ऐसी कई गुना ज्यादा कर्ज ले लिया है। आम जनता उसकी किस्ते भी नहीं चुका पा रही है। बिजली का बिल यदि 1 दिन लेट हो जाए, तो बिजली कंपनियां,बिजली काट देती हैं। बिजली बिल की वसूली के लिए कुर्की कर उसके घर में घुसकर सामान उठाकर ले जाती हैं। आम आदमी से पेनल्टी वसूल की जाती है। टैक्स चुकाने में देरी हो जाए पेनाल्टी ब्याज और सरचार्ज के नाम पर आम जनता से कई गुना राशि वसूल की जा रही है। कुर्की और डिग्री बिजली के बिल, पानी के बिल और स्थानीय संस्थाओं की टैक्स को वसूलने के लिए की जा रही है। इससे आम जनता, विशेष रूप से मध्यम वर्ग की इज्जत जिस तरह से सार्वजनिक रूप से लूटी जा रही है। उससे अब लोगों में बगावती स्वर उभरने लगे हैं। हाल ही में भोपाल नगर निगम ने 30,000 से ज्यादा संपत्ति धारकों को टैक्स नहीं चुका पाने के कारण उनके नाम अखबार में प्रकाशित कराए। उनके मकानों की कुर्की कर दी।उसके बाद ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से हजारों लोगों की संपत्ति को नीलामी में चढ़ा दिया। केंद्र सरकार ने जितना कर्ज 65 सालों में विदेशों से नहीं लिया था। उससे ज्यादा कई गुना कर्ज पिछले 7 साल में केंद्र सरकार ने ले लिया है। राजस्थान पंजाब महाराष्ट्र हरियाणा मध्य प्रदेश उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने अपने सालाना बजट से ज्यादा कर्ज ले लिया है।इसमें पंजाब राजस्थान और महाराष्ट्र हरियाणा मध्य प्रदेश की आर्थिक हालत सबसे ज्यादा खराब है।इसके बाद भी कर्ज लेकर चुनाव जीतने के लिए रेवड़ी बांटकर चुनाव जीतने का कोई मौका राजनीतिक दल नहीं छोड़ रहे हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जहां से जितना कर्ज मिल सकता है। उसको लेने में कोई परहेज नहीं कर रही हैं। राजनैतिक नेतृत्व की जो जिम्मेदारी है। उसको भूलकर कर्ज लेकर भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी के माध्यम से नेताओं और अधिकारियों के घर तो भर रहे हैं। लेकिन जनता टैक्स के बोझ से दबकर कराह रही है। हर महीने बिजली, पानी और नगरीय निकायों के टैक्स महंगाई और तरह-तरह की शुल्क को लेकर आम लोग प्रताड़ित हो रहे हैं। हजारों की संख्या में हर माह लोग आत्महत्या कर रहे हैं। अब तो सामूहिक आत्महत्याओं का दौर भी शुरू हो गया है। इसके बाद भी यदि सरकार और राजनीतिक दल इस स्थिति से बेखबर हैं।यह बहुत चिंतनीय है। इसके लिए केवल राजनेताओं को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। लोकसभा में दिवंगत पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था, कि यदि जनता को कष्ट होगा तो वह सड़कों पर आएगी। वर्तमान राजनीति का यह बैरोमीटर है। जनता को हो रही तकलीफों के लिए स्वयं सड़क पर आना होगा। यदि नहीं आई तो इसी तरह से गुलामी का जीवन जीना होगा। मध्यम एवं निम्न वर्ग इसके लिए स्वयं जिम्मेदार है। सारी दुनिया के देशों में जहां जनता को परेशानी हो रही है।वह सड़कों पर आकर विरोध दर्ज करा रहे हैं।यहाँ सरकारें जिस तरीके से आम जनता को हाँक रही हैं। भेड़ों की तरह आम जनता उनके पीछे चल रही है। जनता अपना विरोध भी दर्ज नहीं करा पा रही है। इसके लिए आम जनता स्वयं दोषी है।

बकरियों की उपयोगी नस्लें

विदेशी बकरियों की प्रमुख नस्लें

अल्पाइन - यह स्विटजरलैंड की है। यह मुख्य रूप से दूध उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्रों में औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

एंग्लोनुवियन -

यह प्रायः यूरोप के विभिन्न देशों में पायी जाती है। यह मांस तथा दूध दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता 2-3 किलो ग्राम प्रतिदिन है।

सानन -

यह स्विटजरलैंड की बकरी है। इसकी दूध उत्पादन क्षमता अन्य सभी नस्लों से अधिक है। यह औसतन 3-4 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन अपने गृह क्षेत्रों में देती है।

टोगेनवर्ग -

टोगेनवर्ग भी स्विटजरलैंड की बकरी है। इसके नर तथा मादा में सींग नहीं होता है। यह औसतन 3 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

ब्लैक बंगालः इस जाति की बकरियाँ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असोम, उत्तरी उड़ीसा एवं बंगाल में पायी जाती है। इसके शरीर पर काला, भूरा तथा सफेद रंग का छोटा रोंआ पाया जाता है। अधिकांश (करीब 80 प्रतिशत) बकरियों में काला रोंआ होता है। यह छोटे कद की होती है वयस्क नर का वजन करीब 18-20 किलो ग्राम होता है जबकि मादा का वजन 15-18 किलो ग्राम होता है। नर तथा मादा दोनों में 3-4 इंच का आगे की ओर सीधा निकला हुआ सींग पाया जाता है। इसका शरीर गठीला होने के साथ-साथ आगे से पीछे की ओर ज्यादा चौड़ा तथा बीच में अधिक मोटा होता है। इसका कान छोटा, खड़ा एवं आगे की ओर निकला रहता है।

इस नस्ल की प्रजनन क्षमता काफी अच्छी है। औसतन यह 2 वर्ष में 3 बार बच्चा देती है एवं एक वियान में 2-3 बच्चों को जन्म देती है। कुछ बकरियाँ एक वर्ष में दो बार बच्चे पैदा करती है तथा एक बार में 4-4 बच्चे देती है। इस नस्ल की मेमना 8-10 माह की उम्र में वयस्कता प्राप्त कर लेती है तथा औसतन 15-16 माह की उम्र में प्रथम बार बच्चे पैदा करती है। प्रजनन क्षमता काफी अच्छी होने के कारण इसकी आबादी में वृद्धि दर अन्य नस्लों की तुलना में अधिक है। इस जाति के नर बच्चा का मांस काफी स्वादिष्ट होता है तथा खाल भी उत्तम कोटि का होता है। इन्हीं कारणों से ब्लैक बंगाल नस्ल की बकरियाँ मांस उत्पादन हेतु बहुत उपयोगी है। परन्तु इस जाति की बकरियाँ अल्प मात्रा (15-20 किलो ग्राम/वियान) में दूध उत्पादित करती है जो इसके बच्चों के लिए अपर्याप्त है। इसके बच्चों का जन्म के समय औसत् वजन 1.0-1.2 किलो ग्राम ही होता है। शारीरिक वजन एवं दूध उत्पादन क्षमता कम होने के कारण इस नस्ल की बकरियों से बकरी पालकों को सीमित लाभ ही प्राप्त होता है।

यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

जमुनापारी

जमुनापारी भारत में पायी जाने वाली अन्य नस्लों की तुलना में सबसे उँची तथा लम्बी होती है। यह उत्तर प्रदेश के इटावा जिला एवं गंगा, यमुना तथा चम्बल नदियों से घिरे क्षेत्र में पायी जाती है। एंग्लोनुवियन बकरियों के विकास में जमुनापारी नस्ल का विशेष योगदान रहा है।

इसके नाक काफी उभरे रहते हैं। जिसे 'रोमन' नाक कहते हैं। सींग छोटा एवं चौड़ा होता है। कान 10-12 इंच लम्बा चौड़ा मुड़ा हुआ तथा लटकता रहता है। इसके जाँघ में पीछे की ओर काफी लम्बे घने बाल रहते हैं। इसके शरीर पर सफेद एवं लाल रंग के लम्बे बाल पाये जाते हैं। इसका शरीर बेलनाकार होता है। वयस्क नर का औसत वजन 70-90 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 50-60 किलो ग्राम होता है।

इसके बच्चों का जन्म समय औसत वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इस नस्ल की बकरियाँ अपने गृह क्षेत्र में औसतन 1.5 से 2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध तथा मांस उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ सलाना बच्चों को जन्म देती है तथा एक बार में करीब 90 प्रतिशत एक ही बच्चा उत्पन्न करती है। इस जाति की बकरियाँ मुख्य रूप से झाड़ियाँ एवं वृक्ष के पत्तों पर निर्भर रहती है। जमुनापारी नस्ल के बकरों का प्रयोग अपने देश के विभिन्न जलवायु में पायी जाने वाली अन्य छोटे तथा मध्यम आकार की बकरियाँ के नस्ल सुधार हेतु किया गया। वैज्ञानिक अनुसंधान से यह पता चला कि जमनापारी सभी जलवायु के लिए उपयुक्त नही हैं।

बारबरी

बारबरी मुख्य रूप से मध्य एवं पश्चिमी अफ्रीका में पायी जाती है। इस नस्ल के नर तथा मादा को पादरियों के द्वारा भारत वर्ष में सर्वप्रथम लाया गया। अब यह उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा एवं इससे लगे क्षेत्रों में काफी संख्या में उपलब्ध है।

यह छोटे कद की होती है परन्तु इसका शरीर काफी गठीला होता है। शरीर पर छोटे-छोटे बाल पाये जाते हैं। शरीर पर सफेद के साथ भूरा या काला धब्बा पाया जाता है। यह देखने में हिरण के जैसा लगती है। कान बहुत ही छोटा होता है। थन अच्छा विकसित होता है। वयस्क नर का औसत वजन 35-40 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 25-30 किलो ग्राम होता है। यह घर में बांध कर गाय की तरह रखी जा सकती है। इसकी प्रजनन क्षमता भी काफी विकसित है। 2 वर्ष में तीन बार बच्चों को जन्म देती है तथा एक वियान में औसतन 1.5 बच्चों को जन्म देती है। इसका बच्चा करीब 8-10 माह की उम्र में वयस्क होता है। इस नस्ल की बकरियाँ मांस तथा दूध उत्पादन हेतु उपयुक्त है। बकरियाँ औसतन 1.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है।

सिरोही

सिरोही नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से राजस्थान के सिरोही जिला में पायी जाती है। यह गुजरात एवं राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी उपलब्ध है। इस नस्ल की बकरियाँ दूध उत्पादन हेतु पाली जाती है लेकिन मांस उत्पादन के लिए भी यह उपयुक्त है। इसका शरीर गठीला एवं रंग सफेद, भूरा या सफेद एवं भूरा का मिश्रण लिये होता है। इसका नाक छोटा परन्तु उभरा रहता है। कान लम्बा होता है। पूंछ मुड़ा हुआ एवं पूंछ का बाल मोटा तथा खड़ा होता है। इसके शरीर का बाल मोटा एवं छोटा होता है। यह सलाना एक वियान में औसतन 1.5 बच्चे उत्पन्न करती है। इस नस्ल की बकरियों को बिना चराये भी पाला जा सकता है।

झारखंड प्रांत की जलवायु में उपरोक्त वर्णित नस्लों का पालन किया जा सकता है या यहाँ पायी जाने वाली बकरियों के नस्ल सुधार हेतु बीटल, बारबरी, सिरोही एवं जमनापारी के बकरे व्यवहार में लाये जा सकते हैं।

बीटल

बीटल नस्ल की बकरियाँ मुख्य रूप से पंजाब प्रांत के गुरदासपुर जिला के बटाला अनुमंडल में पाया जाता है। पंजाब से लगे पाकिस्तान के क्षेत्रों में भी इस नस्ल की बकरियाँ उपलब्ध है। इसका शरीर भूरे रंग पर सफेद-सफेद धब्बा या काले रंग पर सफेद-सफेद धब्बा लिये होता है। यह देखने में जमनापारी बकरियाँ जैसी लगती है परन्तु ऊँचाई एवं वजन की तुलना में जमुनापारी से छोटी होती है। इसका कान लम्बा, चौड़ा तथा लटकता हुआ होता है। नाक उभरा रहता है। कान की लम्बाई एवं नाक का उभरापन जमुनापारी की तुलना में कम होता है। सींग बाहर एवं पीछे की ओर घुमा रहता है। वयस्क नर का वजन 55-65 किलो ग्राम तथा मादा का वजन 45-55 किलो ग्राम होता है। इसके वच्चों का जन्म के समय वजन 2.5-3.0 किलो ग्राम होता है। इसका शरीर गठीला होता है। जाँघ के पिछले भाग में कम घना बाल रहता है। इस नस्ल की बकरियाँ औसतन 1.25-2.0 किलो ग्राम दूध प्रतिदिन देती है। इस नस्ल की बकरियाँ सलाना बच्चे पैदा करती है एवं एक बार में करीब 60त्न बकरियाँ एक ही बच्चा देती है। बीटल नस्ल के बकरों का प्रयोग अन्य छोटे तथा मध्यम आकार के बकरियों के नस्ल सुधार हेतु किया जाता है। बीटल प्रायः सभी जलवायु हेतु उपयुक्त पाया गया है।

पपीता

पपीता भारत वर्ष में पूरे साल पैदा होता है। यह एक सर्वलिंगी पौधा है तथा इसमें नर, उभयलिंगी और मादा पौधे पाए जाते हैं। इसको उगाने के लिए कम जगह की आवश्यकता होती है तथा इसमें एक वर्ष में ही फल आना शुरू हो जाते हैं।

किस्में : पूसा डेलीसियस, पूसा मैजिस्टी, पूसा जायन्ट, पूसा ड्वार्फ, पूसा नन्हा, सूर्या, हनीड्यू, कुर्ग हनीड्यू, वाद्गिंगटन, कोयम्बटूर-1, कोयम्बटूर-2, कोयम्बटूर-3, कोयम्बटूर-5, कोयम्बटूर-6, कोयम्बटूर-7, सोलो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना : पपीते का प्रवर्धन बीज द्वारा किया जाता है। एक हैक्टेयर खेत में पौध लगाने के लिए लगभग 250-300 ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। पपीते की नर्सरी के लिए 10 सें.मी. ऊँची, 3 मी. नमबी तथा 1 मी. चौड़ी क्यारी बनानी चाहिए। पपीते की पौध को पॉलीथीन के थैलों में भी तैयार किया जा सकता है। नर्सरी हेतु अथवा पॉलीथीन के थैलों में भरने हेतु बालू, मिटटी तथा गोबर की सड़ी हुई खाद की समान अनुपात में मिलाकर मिश्रक तैयार करना चाहिए। बुवाई से पहले बीज को मीनोसान 0.1 प्रतिशत की दर से उपचारित करते हैं जिससे डैम्पिंग ऑफ कम होता है।

सस्य क्रियाएँ : रोपक करने से पहले भूमि की अच्छी तरह जुताई करके सममतल बना लेते हैं। पौधे लगाने के लिए 60*60*60 सें.मी. आकार का गड्ढा तैयार करना चाहिए। एक गड्ढे में 20 कि.ग्रा. सड़ी हुइ गोबर की खाद, 1 कि.ग्रा. नीम खली तथा 1 कि.ग्रा. बोन मील की आवश्यकता होती है। पपीते का रोपक मुख्यतः फरवरी-मार्च में किया तजाता हे इसके अलावा मानसून तथा शीतकाल में भी रोपक कर सकते हैं। पपीते में पौधों की संघनता किस्म, भूमि तथा जलवायु पर निर्भर करती है। पौधे से पौधे तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 2.1 ग 2.1 मी. अधिकांशतः किस्मों में रखी जाती है ओर पूसा नन्हा के लिए 1.2 ग 1.2 मी. का प्रयोग करते हैं। जहाँ हवाएँ तेज चलती है तथा पत्तियों का नुकसान होता है वहाँ पपीते के बगानों के चारों तरफ हवा रोधक पौधे लगाना चाहिए। द्विलिंगी किस्मों के पपीते के बागों में 10ः1 के अनुपात में मादा तथा नर पौधे रखना चाहिए। पपीते की अच्छी उपज, बढ़वार तथा गुकवत्ता के लिए पर्याप्त सिंचाई करना आवश्यक होता है।

उवंरण व खाद : पपीते की फसल बागवानी के लिए खाद एवं उर्वरण की समुचित मात्रा की आवश्यकता होती है। सामान्यतः पपीते के पौधों को नत्रजन 200-250 ग्रा., 200-250 ग्रा. फॉस्फोरस तथा 200-250 ग्रा. पोटाश 4 से 6 बराबर भागों में विभक्त करके देते हैं।

खरपतवार नियंत्रण : पपीते की अच्छी बढ़वार के लिए 2-3 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है तथा लूक्लोरेलिन 2.0 ग्रा./है. की दर से छिड़काव करना चाहिए।

तुड़ाई एवं उपज : पपीते के फल पूरी तरह से पकने के बाद ही तुड़ाई करते हैं तथा इसकी उपज 30-45 फल/पौधा होती है। लेभग 60-75 टन/है. उपज भी मिलती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

1. जब फलों का रंग हरे से पीले में परिवर्तित होना शुरू हो जाए तो तुड़ाई करें।
2. आकार व रंग के आधार पर वर्गीकृत कर गत्ते के बक्सों में पैक करें।
3. 10-12 डिग्री से. तापमान व 80 प्रतिशत सापेक्ष आर्द्रता पर 15-20 दिनों तक भण्डारित करें।
4. कच्चे पपीते से पर्पन निकालें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट (रेड स्पाइडर माइट)

लाल मकड़ी माइट पत्ती व फलों से रस चूसती है जिससे पत्ते पीले पड़ जाते हैं व फलों की सतह खुरदरी भूरे रंग की जाती है। फलों पर ध्ब्बे भी बन जाते हैं।

इस कीट के नियंत्रण के लिए कैल्थेन 18.5 इ.सी. 2-3 मि.लि. /लिटर या आबामेक्टिन 1.9 ई.सी. 1 मि.लि./2 लिटर या मेथइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./ लिटर का छिड़काव करें।

2. फल मक्खी (फ्रूट फलाई)

फल सब्जी तुड़ाई से पहले पके हुए फलों को नुकसान पहुँचाती हैं। इस कीट के नुकसान के लक्षण व प्रबंधन आम के न्तिर्गत दर्शाए गए हैं।

3. सूत्रकृमि (नेमाटोड)

पपीते की फसल को जड़गांठ (रूट नॉट) एवं रीनिुॉर्म काफी नुकसान पहुँचाते हैं। ग्रसित पौधों की जड़ों में मांठें बनने से पौधे बौने रह जाते हैं व पत्ते पीले होकर सूख जाते हैं।

प्रबंधन

1. पपीते की सूत्रकृमि प्रतिरोधी किस्म जैसे पूसा मजेस्टी लगाएँ।
2. कार्बोफ्चूरॉन 3 जी 3-4 ग्राम/पौधा प्रयोग करें।

4. रस चूसने वाले कीट

चेपा (एफिड) व सफेद मक्खी (व्हाइट फलाई) रस खूसकर पौधों को नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन ज्यादा नूकसान इनके द्वारा वाइरस बीमारियाँ फैलाने से होता है।

इन कीटों की रोकथाम के लिए डाईमेथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./ लिटर या मेथाइल डेमिटोन 25 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या इमिडाक्लोप्रिड. 17.8 एस.एल. 1 मि.लि./3 लिटर पानी की दर से छिड़कें।

सोने में तेजी, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतों में तेज आई जबकि चांदी में गिरावट रही। वित्त वर्ष 2022-23 के अंतिम दिन दस ग्राम सोना महंगा होकर 59,680 रुपये का हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमतें 71,300 रुपये पर आ गयी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 380 रुपये की बढ़त साथ 59,680 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ जबकि गत पिछले कारोबारी सत्र में सोना 59,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत 280 रुपये नीचे आकर 71,300 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। बाजार जानकारों के अनुसार दिल्ली के बाजार में सोने का हाजिर भाव 380 रुपये की बढ़त के साथ 59,680 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना उछलकर 1,975 डॉलर प्रति औंस वहीं चांदी फिसलकर 23.75 डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

एचयूएल ने डिटर्जेंट और डिशवॉश की कीमतें घटाईं

मुंबई । प्रमुख एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने कच्चे माल की कीमतों में गिरावट के कारण अपने उत्पादों की कीमतों में कटौती की है। साथ ही कंपनी ने डिटर्जेंट एवं डिशवॉश श्रेणी में उत्पादों की मात्रा बढ़ा दी है। प्रभावी कीमतों में 10 से 25 रुपए तक कमी की गई है जबकि मात्रा वृद्धि का दायरा 17 से 25 फीसदी के बीच है। कंपनी ने रिन बार की मात्रा को 120 ग्राम से बढ़ाकर 140 ग्राम कर दिया है जबकि कीमत 10 रुपए ही रखी है। सर्फ एक्सेल मैटिक लिक्विड की कीमत एक लीटर पैक के लिए 220 रुपए से घटाकर 199 रुपए कर दी गई है। सर्फ एक्सेल ईजी वॉश लिक्विड के एक लीटर पैक की कीमत 205 रुपए से घटाकर 190 रुपए कर दी गई है। डिशवॉश श्रेणी में कंपनी ने विम लिक्विड के 185 मिलीग्राम पैक की कीमत 20 रुपए से घटकर 15 रुपए कर दी है। विम बार की मात्रा को 300 ग्राम से बढ़ाकर 375 ग्राम कर दिया गया है जबकि कीमत 30 रुपए ही रहने दी है। एचयूएल ने एक ईमेल में कहा कि कंपनी इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करेगी क्योंकि वह अपने नतीजों से पहले की अवधि को पूरा करने जा रही है।

हीरो मोटोकॉर्प के सीईओ बने निरंजन गुप्ता

नई दिल्ली । देश की प्रमुख दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने निरंजन गुप्ता को पदोन्नत कर नये मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बना दिया है। गुप्ता इस समय कंपनी में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ), प्रमुख रणनीति एवं एमएंडए के रूप में काम कर रहे हैं। वह सीईओ का दायित्व एक मई, 2023 से संभालेंगे। हीरो मोटोकॉर्प ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी के बोर्ड ने गुप्ता को सीएफओ, प्रमुख रणनीति एवं एमएंडए की उनकी भूमिका से पदोन्नत करते हुए नया सीईओ बनाया है। कंपनी ने बताया कि पवन मुंजाल कार्यकारी चेयरमैन और पूर्णकालिक निदेशक बने रहेंगे। कंपनी ने कहा कि वह नए सीएफओ के नाम की घोषणा बाद में करेगी।

वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन बाजार भारी उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 1031 अंक ऊपर आया, निफ्टी 272 अंक बढ़ा

मुम्बई ।

शेयर बाजार वित्तीय 2022-23 के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी, एनर्जी और बैंकिंग शेयरों में अच्छी खरीददारी से आया है। इससे साफ है कि विश्व भर में छाए बैंकिंग संकट का प्रभाव भारतीय बाजार पर नहीं पड़ा है। आज के कारोबार में रियल्टी, इंफ्रा और एफएमसीजी इंडेक्स में भी बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान सूचकांक में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और इंफोसिस के शेयर में उछाल से बाजार को बल मिला। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी से भी भारतीय बाजार को लाभ मिला है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1031.43 अंक करीब 1.78 फीसदी बढ़कर 58,991.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 272.40 अंक तकरीबन 1.59 फीसदी बढ़कर 17,353.10 अंक पर बंद हुआ। गत कारोबारी सत्र में, बुधवार को बाजार बढ़त पर बंद हुआ था जबकि गुरुवार को रामनवमी पर बाजार बंद था। सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे अधिक 4.19 फीसदी की तेजी आई। साथ ही नेस्ले इंडिया,

आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, विप्रो समेत 26 कंपनियों के शेयर लाभ में बंद हुए जबकि दूसरी ओर टाइटन, एशियन पेंट, बजाज फाइनेंस और सनफार्मा के शेयर में गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला और इसके बाद दिन भर ये तेजी कायम रही।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 17 पैसे बढ़कर 82.17 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी के आने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपया शुरुआती कारोबार में 24 पैसे ऊपर आकर 82.10 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजार में तेजी और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी का लाभ भी घरेलू मुद्रा को मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.12 पर खुला। शुरुआती सौदों में यह 82.16 के 82.10 के बीच कारोबार कर रहा था। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 18 पैसे की गिरावट के साथ 82.34 प्रति डॉलर के भाव पर आ गया था। रामनवमी के अवसर पर गुरुवार को बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 102.20 पर आ गया।

दुनियाभर के बैंकिंग सेक्टर के तनाव में कमी से भारतीय बाजार को लगे पंख

31 मार्च को शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी

मुंबई।

वित्तीय साल 2022-23 के आखिरी कारोबारी दिन यानी 31 मार्च को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 1,031.43 अंक उछलकर 58,991 अंक और एनएसई निफ्टी 279.05 अंक की बढ़त के साथ 17,359 अंक पर बंद हुआ। इस तेजी से निवेशकों को 3.70 लाख करोड़ का फायदा हुआ है। वहीं, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे चढ़कर 82.17 पर बंद हुआ। बीएसई इंडेक्स के टॉप 30 शेयर की बात करें, तब रिलायंस इंडस्ट्रीज में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। रिलायंस का शेयर 4 प्रतिशत से भी ज्यादा चढ़कर बंद हुआ। वहीं, नेस्ले, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल, एक्सिस बैंक, विप्रो, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचयूएल, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी के शेयर भी 1 से 4 प्रतिशत तक की तेजी के साथ बंद हुए। गिरावट वाले शेयरों में सनफार्मा, बजाज फाइनेंस, टाइटन, एशियन पेंट शामिल है। शेयर बाजार में तेजी की वजह ग्लोबली बैंकिंग सेक्टर के तनाव में कमी को माना जा रहा है। इस वजह से अमेरिका सहित भारत में आईटी और बैंकिंग शेयर उछले हैं। वहीं, बढ़े शेयर रिलायंस की तेजी ने भी बाजार को बूस्ट दिया है। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी अपने वित्तीय सेवाओं के कारोबार को अलग करने के लिए 2 मई को एक बैठक आयोजित करेगी। इस खबर के बाद शेयर में तेजी आई है। वहीं, विदेशी निवेशकों द्वारा शेयरों की खरीदारी का असर बाजार पर दिखा है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच भारतीय रुपया मजबूत हुआ है। यह बाजार के लिए पॉजिटिव संकेत है।

रक्षा मंत्रालय ने पोत कंपनियों के साथ किया करार

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने केंद्र सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत गुरुवार को 11 जहाजों को खरीदने के लिए भारतीय पोत कंपनियों के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने कहा कि लगभग 19,600 करोड़ रुपए के इस सौदे के तहत 11 अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत और छह अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत का अधिग्रहण किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि 11 पोत में सात को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) तैयार करेगी और चार को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) बनाएगी। इनकी आपूर्ति सितंबर, 2026 से शुरू होगी। बयान के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने 30 मार्च, 2023 को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 19,600 करोड़ रुपए में 11 अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती जहाज और छह अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत के अधिग्रहण के लिए भारतीय पोत कंपनियों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। 11 अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत के अधिग्रहण के लिए जीएसएल और जीआरएसई के साथ कुल 9,781 करोड़ रुपए के करार पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा मंत्रालय ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) के साथ अगली पीढ़ी की समुद्री मोबाइल तटीय बैटरी और ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के लिए 1,700 करोड़ रुपए का करार किया। बीएपीएल भारत और रूस के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

अडानी समूह ने तीन-चार साल में 23 अरब डॉलर का कर्ज चुकाने की उम्मीद जताई

- अडाणी को हवाई अड्डा से लेकर सभी कारोबार से कमाई में 20 प्रतिशत वृद्धि का भरोसा

मुंबई ।

अडानी समूह ने अगले तीन से चार साल में लगभग 23 अरब डॉलर का कर्ज लौटाने की उम्मीद जताई है। समूह इसके लिए समुद्री बंदरगाह से लेकर हवाई अड्डा, ऊर्जा समेत अपने सभी कारोबार से कमाई में 20 प्रतिशत वृद्धि का भरोसा कर रहा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अडाणी समूह के अधिकारियों ने पिछले तीन हफ्तों में बैंक अधिकारियों, बॉन्ड धारकों, विश्लेषकों और सिंगापुर से लेकर अमेरिका तक के निवेशकों से मुलाकात की है।इन बैठकों का मकसद अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद समूह से जुड़े पक्षों में जो चिंता है, उसे दूर करना था। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में 135 अरब डॉलर की कमी आई है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इन बैठकों में अडाणी ने समूह के कारोबार में वृद्धि के बारे में जानकारी दी। समूह अपने ऊर्जा कारोबार में दक्षता बढ़ाने के साथ अब तेज गति से विस्तार की जगह कर्ज में कमी लाने पर ध्यान दे रहा है।

समूह की कंपनियों में कर पूर्व कमाई (ईबीआईटीडीए) में 20 प्रतिशत की वृद्धि से कर्ज से पार पाने में मदद मिलेगी। सूत्रों के अनुसार वर्ष 2013 से 2022 के दौरान समूह की कंपनियों की कमाई सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़ी है। और कमाई में 20 प्रतिशत की वृद्धि से 2025 तक कर्ज-ईबीआईटीडीए अनुपात मौजूदा 7.6 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत पर आ जाएगा। कर्ज/ईबीआईटीडीए अनुपात कंपनी की अपने कर्ज लौटाने की क्षमता को बताता है।

अगर यह अनुपात ज्यादा है तो यह संकेत है कि उसके ऊपर कर्ज काफी अधिक है। सूत्रों के अनुसार कंपनी प्रबंधन ने निवेशकों से कहा कि एक बार राजस्व बढ़ने लगेगा, तो कर्ज अनुपात नीचे आएगा। अडाणी समूह की वर्तमान में कर पूर्व आय 61,200 करोड़ रुपए है। उसका कर्ज 1.89 लाख करोड़ रुपए (करीब 23 अरब डॉलर) है।

डिजिटल रूप से वितरित ऋण 12 गुना बढ़ा

नई दिल्ली । डिजिटल मोड बैंकों में काफी पापुलर हो गया है। यही वजह रही कि 2017 और 2020 के बीच बैंकों और गैर-बैंक वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा डिजिटल मोड के माध्यम से ऋण वितरण की मात्रा में 12 गुना वृद्धि हुई है, यह जानकारी आरबीआई पैनल की एक रिपोर्ट में दी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा गठित कार्य समूह के निष्कर्षों के अनुसार, 2017 और 2020 के बीच, वितरित ऋणों की मात्रा 11,671 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,41,821 करोड़ रुपये हो गई, यानी 12 गुना वृद्धि हुई। इन संस्थाओं द्वारा वितरित किए गए अधिकांश ऋण व्यक्तिगत ऋण थे, इसके बाद छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को दिए गए ऋण थे। साथ ही रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार 1 जनवरी, 2021 और 28 फरवरी, 2021 के बीच देश में लगभग 1,100 ऋण देने वाले ऐप थे।

भारत सरकार ने विदेश व्यापार नीति 2023-28 को लॉन्च किया

पॉलिसी का लक्ष्य भारत के निर्यात को 2030 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने शुक्रवार को नई विदेश व्यापार नीति 2023-28 लॉन्च कर दी है। इस पॉलिसी का इंतजार भारत में लंबे समय से किया जा रहा था, क्योंकि कोरोना के कारण इसमें करीब तीन साल की देरी हो गई है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने विदेश व्यापार नीति 2023-28 को लॉन्च किया। इस पॉलिसी का लक्ष्य भारत के निर्यात को 2030 तक दो ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस पॉलिसी का फोकस रुपये में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाना है और नई एफटीपी एक अप्रैल, 2023 से लागू हो जाएगी। वहीं, विदेश व्यापार महानिदेशालय संतोष सारंगी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 में भारत का कुल निर्यात 2021-22 में 676 अरब डॉलर के मुकाबले 760 अरब डॉलर को पार करने का अनुमान है। पिछली पंचवर्षीय विदेशी व्यापार नीति की तरह इसके समाप्त होने की तिथि तय नहीं है। डीजीएफटी की ओर से इसे लेकर कहा गया है कि जब भी जरूरत होगी, इसमें बदलाव किए जाएंगे। पिछली विदेश व्यापार नीति 1 अप्रैल, 2015 को लागू की गई थी और इसके समाप्त होने की तिथि 2020 थी, लेकिन कोरोना वायरस आने के कारण सितंबर 2022 में इसे 31 मार्च, 2023 तक बढ़ा दिया गया।

नई विदेशी व्यापार नीति में बताया गया है कि ई-कॉमर्स निर्यात 2030 तक 200 से लेकर 300 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। साथ ही इस दौरान कूरियर सेवा के माध्यम से होने वाला निर्यात 5 लाख रुपये से बढ़कर 10 लाख रुपये प्रति खेप हो सकता है। डीजीएफटी ने आगे कहा कि नई विदेश व्यापार नीति 2023 उभरते व्यापार परिदृश्य के लिए गतिशील और उत्तरदायी है। कॉमर्स विभाग को फ्यूचर रेडी बनाने के लिए पुनर्गठित किया जा रहा है।

अनअकेडमी 12 फीसदी कर्मचारियों को बाहर करेगी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म अनअकेडमी फिर से छंटनी करने पर विचार कर रही है। कंपनी इस बार लगभग 12 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। कंपनी में साल 2022 के बाद से छंटनी का यह चौथा दौर होगा। कंपनी अब तक अपने कुल कर्मचारियों में से आधे को निकाल चुकी है। सीईओ गौरव मुंजाल ने कर्मचारियों को पत्र लिखकर वर्कफोर्स में 12 फीसदी की कमी करने की जानकारी दी है. कंपनी ने नवंबर 2022 में 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की थी। एक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के को फाउंडर और सीईओ गौरव मुंजाल ने कर्मचारियों को लिखे एक पत्र में कहा है कि यह निर्णय लेना मुश्किल, लेकिन जरूरी था। उन्होंने वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि वर्कफोर्स में कमी करना अनिवार्य हो गया है। मुंजाल ने पत्र में स्वीकार किया कि उन्हें छंटनी का एक और दौर करने की उम्मीद नहीं थी। अनअकेडमी में छंटनी की शुरुआत अप्रैल 2022 से हुई जब 600 से 800 कर्मचारियों को निकाला गया था। ये सभी सेल्स और मार्केटिंग टीम का हिस्सा थे। इसके बाद जून 2022 में स्टार्टअप कंपनी ने परफार्मेंस इंप्रूवमेंट प्लान के तहत 150 लोगों को नौकरी से निकाल दिया। नवंबर 2022 में कंपनी ने वर्कफोर्स के 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की थी।

करीब 350 कर्मचारियों पर इस फैसले का असर हुआ था। अनअकेडमी भारत की लीडिंग एजुटेक कंपनियों में से एक है। यह प्रतियोगी परीक्षाओं, भाषा और प्रोग्रामिंग सहित कई सब्जेक्ट में कोर्स ऑफर करती है।

सरकारी एजेंसियां रबी सत्र में तीन लाख टन प्याज खरीदेगी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि रबी सत्र में सरकारी एजेंसियां तीन लाख टन प्याज खरीदेंगी। पिछले साल रबी फसल की कुल खरीद 2.5 लाख टन रही थी। गोयल ने संवाददाताओं से कहा कि किसानों को फसल उचित मूल्य मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए मैंने प्याज की खरीद पिछले साल के 2.5 लाख टन के मुकाबले बढ़ाकर इस साल तीन लाख टन करने का पहले ही आदेश दे दिया है। उन्होंने कहा कि नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (नाफेड) को भी देर से बुवाई वाली खरीफ फसल का स्टॉक खरीदने का निर्देश दिया गया है, लेकिन अभी बाजारों में उपज उपलब्ध नहीं है। पिछले महीने प्याज की कीमतों में भारी गिरावट के बाद महाराष्ट्र में उत्पादक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। नासिक जिले के लासालगांव के सबसे बड़े बाज़ार सहित, अन्य बाज़ार बंद कर दिए गए हैं और किसानों द्वारा प्याज भी फेंक दिया गया है। किसानों का कहना है कि उन्हें फसल के लिए बहुत कम कीमत मिल रही है, जो कि लागत का एक मामूली भाग ही है और वे व्यापक दबाव को देखते हुए राज्य एजेंसियों से हस्तक्षेप करने की मांग कर रहे हैं। इस गिरावट के लिए किसान मानसून के लंबा चलने, पिछले दो सत्रों में देर से बोई गई खरीफ प्याज की अधिक कीमत रहने को जिम्मेदार मानते हैं जिसके कारण कई किसानों ने कम स्वजीवन (शेल्फ लाइफ) वाले या कम समय तक ठीक रहने वाले विशेष प्याज किस्म की बुवाई की है।

इसके अलावा इस गिरावट का कारण निर्यात पर होने वाला प्रभाव को भी जिम्मेदार माना गया है क्योंकि बांग्लादेश जैसे प्रमुख उत्पादकों ने अपना प्याज उगाना शुरू कर दिया है। कुल प्याज उत्पादन अपने पिछले वर्ष के दो करोड़ 66.4 लाख टन से बढ़कर वर्ष 2021-22 में तीन करोड़ 17 लाख टन होने का अनुमान है, और केंद्र ने इसकी 2.50 लाख टन खरीद की।

बादाम की अच्छाईयों के साथ अपने भोजन को पौष्टिक बनाकर इस वर्ल्ड हेल्थ डे का जश्न मनाएं!

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला वर्ल्ड हेल्थ डे विश्व जागरूकता दिवस है, जिसका उद्देश्य स्वस्थ रहन-सहन और दुनिया भर में स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना है। इस साल विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम "हेल्थ फॉर ऑल" रखी गई है। इससे दुनिया भर में लोगों की सेहत को सुधारने पर खासा जोर दिया जा रहा है।

आज जब हम स्वस्थ दुनिया के निर्माण पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, तब यह ज्यादा जरूरी हो जाता है कि हम पुराने और संक्रामक रोगों से अपना बचाव करने और उन्हें मैनेज करने में पौष्टिक आहार की भूमिका की पहचान करें। आहार को पौष्टिक बनाने में बादाम की स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों में से एक के रूप में पहचान की गई है, जिन्हें हमें अपने रोजाना के भोजन में शामिल करना चाहिए। यह ड्राई फ्रूट पोषक तत्वों जैसे फाइबर, प्रोटीन, हेल्दी फैट्स, विटामिन ई, मैग्नीशियम और पोटेशियम से भरपूर होते हैं जो सेहत को पूरी तरह ठीक रखने और बेहतर जीवनशैली के लिए आवश्यक है। इसके अलावा बादाम जिंक, कॉपर, फोलेट और आयरन मिनरल्स से भरपूर है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। इस संबंध में हुई कई स्टडीज में दिखाया गया है कि बादाम को अपने संतुलित आहार में शामिल कर दिल की सेहत को सुधारा जा सकता है, कोलेस्ट्रोल लेवल कम किया जा सकता है, ब्लड शुगर के लेवल को मैनेज किया जा सकता है और वजन पर कंट्रोल रखा जा सकता है। यह सब लाभ उन सभी लोगों के लिए बादाम को सबसे बेहतर पसंद बनाते हैं, जो हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाना चाहते हैं।

बॉलीवुड सेलिब्रिटी और अभिनेत्री सोहा अली खान ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर अपनी बात रखते हुए कहा, "घर पर हमेशा सेहतमंद भोजन करना सुनिश्चित करने के लिए मैं हमेशा अपने परिवार के लिए हेल्दी स्नैक्स के विकल्पों की तलाश में रहती है। सेहतमंद नाश्ते के रूप में बादाम काफी बेहतर होते हैं क्योंकि यह आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर हैं। इन्हें चलते-फिरते सफर में खाना बेहद आसान है। इसके अलावा बादाम में तृप्त कर देने वाली विशेषताएं होती है, जिससे हमारा पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है और इससे हमें शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले खाद्य पदार्थों को खाने की बिल्कुल इच्छा नहीं होती। इसके अलावा रोजाना बादाम खाने से हमें अपनी शरीर की इम्युनिटी को बनाए रखने में मदद मिलती है क्योंकि बादाम आवश्यक खनिज पदार्थों जैसे कॉपर, जिंक, आयरन और फोलेट से भरपूर होते है।

आईपीएल : पंजाब किंग्स और केकेआर में होगी कड़ी टक्कर

मोहाली (एजेंसी)। आईपीएल के 16 वें सत्र में शनिवार को पहला मुकाबला शिखर धवन की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स और नितीश राणा की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच दोपहर में खेला जाएगा। इन दोनो ही टीमें की हालत एक सी है और से खिलाड़ियों की खराब फिटनेस के साथ ही कुछ विदेशी खिलाड़ियों के उपलब्ध नहीं होन से मुश्किल में हैं। इसके बाद भी इन दोनो टीमों का लक्ष्य जीत से शुरुआत कर मनोबल बढ़ाना रहेगा। पंजाब किंग्स के कप्तान धवन पिछले काफी समय से टीम इंडिया से बाहर है और उनकी नजरें आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करन रहेगा। वहीं श्रेयर अय्यर के चोटिल होने के कारण केकेआर के कप्तान बने राणा की नजरें आईपीएल में बेहतर प्रदर्शनकर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाना रहेगा। आईपीएल में इन दोनों टीमों के पास हमेशा अच्छे खिलाड़ी रहे है पर मैदान पर उनका प्रदर्शन उतना प्रभावशाली नहीं रहा है। इसलिए लिए टीम खिताबी दौड़ में पिछड़ जाती है।

पंजाब किंग्स ने अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है जबकि केकेआर की टीम ने गौतम गंभीर की कप्तानी में दो बार ट्रॉफी अपने नाम की थी। पिछले सत्र में पंजाब छठे और केकेआर सातवें पायदान पर थी। इस सत्र में दोनों टीमों की कमान नये कप्तानों के पास है।

केकेआर के मुकाबले पंजाब की टीम थोड़ी अधिक अच्छी नजर आ रही है उसे घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। टीम को हालांकि इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी जॉनी बेयरस्टो की कमी खलेगी। बेयरस्टो चोटिल होने के कारण पूरे सत्र से ही बाहर हो गये है। फ्रेंचाइजी ने बेयरस्टो की जगह ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैथ्यू शॉर्ट को टीम में शामिल किया है। शॉर्ट के धवन के साथ पारी शुरु करने की संभावना है। वहीं तेज गेंदबाज लियाम लिविंगस्टोन और कागिसो रबादा भी शुरुआती कुछ मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे जिससे पंजाब को नुकसान होगा। टीम की सबसे बड़ी ताकत ऑलराउंडर सैम कुरेन रहेंगे। कुरेन को उसने 18 करोड़ 50 लाख रुपए में खरीदा है। वह गेंद और बल्ले से प्रभावी प्रदर्शन करने के लिए जाने जाते है। टीम के पास जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा भी हैं। रजा अच्छे बल्लेबाज होने के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी हैं।

तेज गेंदबाजी की बात करें तो उसके पास बांए हाथ के अर्शदीप सिंह हैं। टीम को ऋषि धवन और लेग स्पिनर राहुल चहर से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान राणा पर आधारित रहेगी। शुरुआती मैच में बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और लिटन दास नहीं खेलेगे। ऐसे में केकेआर का प्रदर्शन काफी हद तक आंद्रे रसेल और सुनील नारायण की वेस्टइंडीज की जोड़ी पर निर्भर करेगा। टीम के पास डेविड वाइसी और वेंकटेश अय्यर के रूप में पास अन्य स्तरीय ऑलराउंडर हैं। टीम की मजबूत गेंदबाजी इकाई उसकी ताकत रहेगी। उसके पास तेज गेंदबाज उमेश यादव के अलावा शारदुल ठाकुर और टिम साउथी हैं। स्पिनर के तौर पर शाकिब, नारायण और वरुण चक्रवर्ती स्पिन विभाग में जिम्मेदारी संभालेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राज बावा, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, वी. कावेरप्पा, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे

कोलकाता नाइट राइडर्स : नितीश राणा (कप्तान), वैभव अरोड़ा, लॉकी फर्ग्यूसन, हर्षित राणा, वेंकटेश अय्यर, एन जगदीसन, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह, सुनील नारायण, रहमानुल्लाह गुरबाज, अनुकूल रॉय, आंद्रे रसेल, शाकिब अल हसन, रिंकू सिंह, टिम साउथी, सुयश शर्मा, शार्दुल ठाकुर, वरुण चक्रवर्ती, डेविड वाइसी, उमेश यादव

मियामी ओपन : अलकाराज और मेदवेदेव पुरुष एकल से सेमीफाइनल में पहुंचे

मैड्रिड (अल्बानिया) (एजेंसी)। मियामी गार्डन्स - शीर्ष रैंकिंग के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकाराज ने मियामी ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को आसानी से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की।

स्पेन के इस खिलाड़ी ने एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 10वीं रैंकिंग पर काबिज फ्रिट्ज को 6-4 6-2 से मात दी। यह इस साल 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत है। सेमीफाइनल में अलकाराज के सामने यानिक सिन्नर की चुनौती होगी।

पुरुषों के एक अन्य क्वार्टर फाइनल डेनियल मेदवेदेव अमेरिका के क्वालीफायर क्रिस यूबैंक्स को 6-3 7-5 से हराया। मेदवेदेव के सामने सेमीफाइनल में हमवतन कोरेन खाचानोव की चुनौती होगी। खाचानोव ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो 6-3 6-2 से पराजित किया।

महिला वर्ग में एलिना रायबकिना ने सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को बारिश से प्रभावित मैच में 7-6(3) 6-4 से शिकस्त दी। फाइनल में उनके सामने 15वीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्रितोवा और गैरवरीय सोराना क्रिस्टी के बीच खेले जाने वाले सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता की चुनौती होगी।

रोड्स ने जडेजा को सर्वश्रेष्ठ फील्डर बताया

जोहांसबर्ग। दक्षिण-अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को विश्व का सर्वश्रेष्ठ फील्डर माना जाता है। रोड्स के संन्यास लेने के बाद कोई भी उनके स्तर का फील्डर नहीं हुआ है। रोड्स के बाद विश्व क्रिकेट में कई अच्छे फील्डर हुए हैं पर इनमें से सबसे श्रेष्ठ कौन है। इसको लेकर संशय बना हआ था। वहीं अब रोड्स ने अपने बयान से स्थिति स्पष्ट कर दी है। रोड्स के अनुसार जडेजा अभी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं। इस पूर्व क्रिकेटर से जब पूछा गया कि वह विश्व क्रिकेट में किसे सर्वश्रेष्ठ फील्डर मानते हैं तो उन्होंने कहा, अभी केवल एक ही है, जडेजा। रोड्स ने यह भी कहा कि आईपीएल के बाद से ही लोगों ने फील्डिंग को गंभीरता से लेना शुरु किया है। साल 2008 में शुरुआत के बाद से ही अब तक हुए मुकाबलों में फील्डिंग का स्तर लगातार ऊपर आता रहा है। खिलाड़ियों ने बाउंड्री लाइन कैच से लेकर सर्कल के अंदर कुछ शानदार कैच लिए हैं। इस दौरान दर्शकों कों कई शानदार कैच देखने को मिले हैं। रोड्स ने कहा, आईपीएल शुरु होने के बाद ही लोगों ने वास्तव में फील्डिंग पर ध्यान देना शुरु किया। इससे पहले हर टीम के पास फील्डिंग कोच नहीं थे क्योंकि 50 ओवर के मैचों में पर्याप्त समय रहता था। आपके पास 3-4 अच्छे फील्डर थे जिनसे काम हो जाता था। आईपीएल शुरु होने के बाद फील्डिंग में निरंतर बेहतर काम हुआ है।

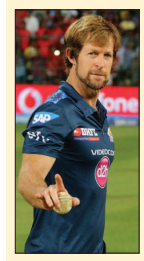

विराट ने रिचर्ड्स और तेंदुलकर को सर्वकालिक महान क्रिकेटर बताया

नई दिल्ली। आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने आपीएल के 16 वें सत्र की शुरुआत के अवसर पर वेस्टइंडीज के विवियन रिचर्ड्स और भारत के सचिन तेंदुलकर को सर्वकालिक महान क्रिकेटर बताया है। विराट के अनुसार इन दोनो ही ने अपने खेले से क्रिकेट को पूरी तरह से बदल दिया। आरसीबी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कोहली ने अपने सर्वकालिक खिलाड़ियों का नाम लेते हुए कहा, मैंने हमेशा दो नाम लिए हैं, तेंदुलकर और रिचर्ड्स। सचिन तो मेरे हीरो हैं। इन दोनों ने अपनी पीढ़ी में बल्लेबाजी में क्रांति लाकर क्रिकेट को पूरी तरह से बदल दिया था। ऐसे में मेरा मानना हा कि ये दोनो ही सबसे महान खिलाड़ी हैं।

आईपीएल के अपने पहले मैच में जीत के इरादे से उतरेगी सुपर जायंटस और कैपिटल्स

लखनऊ (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें सत्र में शनिवार को होने वाले दूसरे मैच में लोकेश राहुल की लखनऊ सुपर जायंट्स का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत से अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत करने उतरेंगी। लखनऊ की कप्तान जहां लोकेश राहुल के पास है। वहीं दिल्ली की कमान ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर संभाल रहे हैं। दोनो ही विरोध बल्लेबाज अनुभवी हैं पर पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। ऐसे में इन दोनो पर ही अच्छे प्रदर्शन का दबावा होगा। राहुल को हाल ही में भारतीय टीम में उपकप्तान पद से भी हटा दिया गया था। पिछले काफी समय से वह बड़ी पारी भी नहीं खेल पाये हैं। ऐसे में उनके लिए टीम में अपनी जगह बनोय रखना भी कठिन हो रहा है। ऐसे में अब वह आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर अपने नेतृत्व कौशल और बल्लेबाजी को साबित करना चाहेंगे।

लखनऊ की टीम पहली बार अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी जिसका भी उसे लाभ होगा। राहुल की कप्तानी में टीम पिछले साल अपने पहले ही सत्र में प्लेऑफ में पहुंची थी हालांकि तब राहुल अच्छे फार्म में थे और उन्होंने जमकर रन बनाये थे पर इसबार हालात अलग हैं और ऐसे में राहुल को रन बनाकर अपने बल्ले से जवाब देना होगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने नियमित कप्तान ऋषभ पंत के बिना खेल रही है। ऐसे में नये कप्तान वार्नर पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। टीम के पास कप्तान के तौर पर वार्नर जैसा आक्रामक सलामी बल्लेबाज है पर उनका बल्ला पिछले कुछ समय से खामोश है। अब वार्नर सनराइजर्स हैदराबाद की तरह ही दिल्ली को भी खिताब दिलाना चाहेंगे। वार्नर की कप्तानी में ही सनराइजर्स ने एकबार खिताब जीता था।

दिल्ली के पास मिशेल मार्श जैसा बल्लेबाज है। मार्श ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में आक्रामक बल्लेबाजी की थी। वार्नर और सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ अगर टीम को तेज शुरुआत देने में विफल रहते है तो मार्श दो-तीन ओवरों में यह कमी पूरी कर सकत हैं। वहीं बल्लेबाज सरफराज खान को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। टीम को युवा यश ढुल से अधिक अपेक्षा नहीं रखनी चाहिये। ऐसे में टीम को आखिरी ओवरों में अक्षर पटेल से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया और मुस्तफिजुर रहमान राष्ट्रीय टीम को सेवाएं देने के कारण इस मुकाबले में नहीं रहेंगे। दिल्ली के तेज गेंदबाजी विभाग में खलील अहमद और इशांत शर्मा जैसे गेंदबाज हैं। स्पिन की जिम्मेदारी अक्षर और कुलदीप यादव पर रहेगी। वहीं लखनऊ की बात करें तो राहुल के साथ पारी की शुरुआत को शुरुआती काइल मायर्स या दीपक हुड्डा कर सकते हैं। टीम को इस मैच में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक की कमी खलेगी। डिकॉक राष्ट्रीय टीम को सेवाएं देने के कारण देर से भारत आयेंगे। टीम की तेज गेंदबाजी भी खास नहीं है। मोहसिन खान चोट के कारण शुरुआती मैचों के लिए बाहर हैं। मार्क वुड भी अकसर चोटिल होते रहते है ऐसे में आवेश खान और जयदेव उनादकट पर ही पूरी जिम्मेदारी होगी। टीम के पास हुड्डा के अलावा क्रुणाल पांड्या, कृष्णप्पा गौतम, प्रेरक मांकड़ के अलावा मार्कस स्टोइनिस, डेनियल सैम्स, मायर्स और रोमारियो शेफर्ड जैसे अच्छे ऑलराउंडर हैं। स्पिन की जिम्मेदारी रवि बिश्नोई और अमित मिश्रा पर रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी शॉ, मिशेल मार्श, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, सरफराज खान, फिल साल्ट, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, ललित यादव, रिपल पटेल, इशांत शर्मा, चेतन सकारिया, खलील अहमद, अमन हकीम खान, प्रवीण दुबे, कमलेश नागरकोटी, यश ढुल, मुकेश कुमार, विक्की ओस्तवाल।

लखनऊ सुपर जायंटस: लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पांड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन, नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

गुजरात टाइटंस को जीत दिलाना रहेगा लक्ष्य : मावी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजी ने कहा है कि उनका लक्ष्य इस सत्र में अपनी टीम को जीत दिलाने में सहायत करना है। मावी को गुजरात टाइटंस ने छह करोड़ में खरीदा है। इस खिलाड़ी ने कहा कि जब इस सत्र में नीलामी बीच में रुक गयी थी तब वह हैरान हो गये थे। उस समय मावी पर 1.10 करोड़ रुपए की बोली लगी थी। मावी ने नीलामी के लिए 40 लाख रुपये के आधार मूल्य पर अपने को रजिस्टर करवाया था। टाइटन्स द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में इस तेज गेंदबाज ने कहा, पिछले साल की तरह हम यहां जीते थे। अब जब मैं उनके साथ जुड़ गया हूं, तो मैं फिर से चैंपियन बनने में सहायता करना चाहता हूं। नीलामी के दौरान मैं उत्तर प्रदेश की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहा था। इस दौरान मेरी नीलामी 1.10 करोड़ पर रुकी और तब मैं सोच रहा था कि यह इतनी जल्दी क्यों रुक गई। इस युवा खिलाड़ी ने कहा, मैं गुजरात टाइटन्स द्वारा चुना जाना चाहता था क्योंकि मैं उनके साथ खेलने के लिए उत्साहित था। मैंने सुना था कि यहां का प्रबंधन और कप्तान बहुत अच्छे हैं। मैं उन सभी से पहले मिल चुका हूं। टीम का स्वभाव और माहौल वास्तव में अच्छा है, इसलिए मैं जीटी द्वारा चुना जाना चाहता था। 2018 में आईपीएल की शुरुआत करने के बाद से मावी 2023 की नीलामी से पहले रिलीज होने से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम का हिस्सा थे। उन्होंने अब तक 32 आईपीएल मैच खेले हैं और 30 विकेट लिए हैं।

आईपीएल में असफल हुए तो राहुल का करियर खतरे में पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। इसका कारण यह है कि राहुल पिछले काफी समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नाकाम रहे हैं। इसी कारण टीम में उनकी जगह भी खतरे में पड़ गयी है। इसके साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सालाना अनुबंध में उन्हें डिमोट करते हुए ए से बी ग्रेड में कर दिया है। इन हालातों में अब अगर वह आईपीएल में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो उन्हें टीम में जगह भी नहीं मिल पायेगी। इसके साथ ही आगामी विश्वकप के लिए भी उनकी संभावनाएं कम होंगी। राहुल के लिए साल 2023 अब तक अच्छा नहीं रहा है। साल 2022 में उन्हें टीम इंडिया के भविष्य के कप्तान के तौर पर देखा जा रहा था पर इस साल उन्हें हाथ से उपकप्तानी भी निकल गयी।

ऐसे में सवाल ये है कि क्या राहुल बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को प्रेरित करते हुए आईपीएल ट्रॉफी जिताने में कामयाब हो पाएंगे? राहुल की अक्सर आलोचना इस बात को लेकर होती है कि उनके रन आईपीएल में उनके लिए ज्यादा काम आते हैं बजाए उनकी टीम के। पंजाब की टीम में रहते हुए उन्होंने जमकर रन बनाये थे पर टीम को उसका लाभ नहीं मिला था। लखनऊ एक नई टीम है और पिछले सत्र में शुरुआत में बेहतरीन खेल दिखाने के बावजूद फाइनल तक नहीं पहुंच पायी थी। ऐसे में राहुल के लिए जरूरी होगा कि वो ना सिर्फ अपने बल्ले से रन बनाएं, बल्कि बेहतर स्ट्राइक रेट से रन बनाए, जिसके लिए वो अक्सर आलोचकों का शिकार बनते हैं। इसके बाद अगर उनकी टीम फाइनल में पहुंचती है या फिर ट्रॉफी जीतती है तब उनके लिए भारतीय टीम में जगह बनाना आसान होगा।

वनडे विश्व कप के मैच बांग्लादेश में खेले जाने के बारे में अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई: पीसीबी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उसके अध्यक्ष नजम सेठी ने आईसीसी बोर्ड की बैठक में कभी यह विचार नहीं रखा कि उनकी पुरुष टीम भारत के बजाय बांग्लादेश में अपने विश्व कप मैच खेलने की इच्छुक है। 'पीटीआई-भाषा' ने 29 मार्च को ही खबर दी थी कि आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने इस बात से इनकार कर दिया था कि उसके मंच पर कभी इस तरह की कोई भी चर्चा हुई थी। आईसीसी ने कहा था कि बांग्लादेश किसी भी विश्व कप मैच की मेजबानी के लिए भी दावेदार नहीं है, क्योंकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने आश्वासन दिया था कि पाकिस्तान टीम के लिए वीजा की समस्या नहीं होगी। पीसीबी ने स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट के 'हाइब्रिड मॉडल' की अवधारणा सिर्फ एशिया कप से संबंधित थी, क्योंकि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी।

सेठी ने गुरुवार को रावलपिंडी/इस्लामाबाद में मीडिया से की गयी बातचीत का जिक्र करते कहा कि उन्होंने एशिया कप के लिए एसीसी (एशियाई क्रिकेट परिषद) के अधिकारियों के समक्ष पेश किए गए 'हाइब्रिड मॉडल' के बारे में मीडिया को जानकारी दी थी ताकि बीसीसीआई के टीम को पाकिस्तान नहीं भेजने के फैसले के बाद हुए गतिरोध को खत्म किया जा सके। पीसीबी के बयान के मुताबिक, ''भारत के मैच तटस्थ स्थान पर और बाकी पाकिस्तान में खेलने का प्रस्ताव एसीसी में चर्चा के अधीन है।'' सेठी ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया।

उन्होंने इस विज्ञप्ति में कहा, '' गुरुवार की मीडिया बातचीत के दौरान किसी भी स्तर पर मैंने आईसीसी या पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 पर कोई टिप्पणी नहीं की, जो अक्टूबर में निर्धारित है। इस मामले पर अब तक किसी भी आईसीसी मंच पर चर्चा नहीं की गई है।' 'पीटीआई-भाषा' ने बुधवार को आईसीसी के सूत्रों से बात की थी जिन्होंने उल्लेख किया था कि इस मामले को न तो उठाया गया था और न ही अनौपचारिक रूप से चर्चा की गई थी और यह 'सिर्फ कल्पना' है। पीसीबी ने मीडिया विज्ञप्ति के जरिए अपने एक स्थानीय अंग्रेजी समाचार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, '' पीसीबी इस बात से निराश है कि अंग्रेजी भाषा के एक प्रमुख अखबार ने सेठी की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया, गलत व्याख्या की और यह धारणा दी कि पीसीबी के 'हाइब्रिड मॉडल' को आईसीसी में पेश किया गया और उस पर चर्चा की गई, जो कि तथ्यात्मक रूप से गलत है।'

एएफसी अंडर-17 एशियाई कप फुटबॉल के लिए ड्रॉ निकाला गया

-भारत को जापान, वियतनाम के साथ रखा गया

नई दिल्ली। 15 जून से दो जुलाई तक थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-17 एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप डी में जापान, वियतनाम और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। एएफसी अंडर-17 एशियाई कप का आयोजन बैंकॉक में चार अलग-अलग स्टेडियमों में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ समारोह का आयोजन बैंकॉक में किया गया है। इस टूर्नामेंट के प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी। वहीं सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों को पेरू में होने वाले 2023 फीफा अंडर-17 विश्व कप में प्रवेश मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस ने कहा, ''ड्रॉ में हमें जिस ग्रुप में रखा गया है उसे लेकर हम सभी उत्साहित हैं। हमें इस टूर्नामेंट को लेकर सभी खिलाड़ी उत्साहित हैं। हर फुटबॉलर हर स्तर पर सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खेलना चाहता है और जापान निश्चित तौर पर अभी एशिया की सबसे अच्छी टीमों में से एक है।'' उन्होंने कहा, ''हमने पहले भी वियतनाम और उज्बेकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ खेला है। हमें उन मुकाबलों में अच्छे परिणाम मिले थे जिससे हमें इस टूर्नामेंट में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। हमारा लक्ष्य फीफा अंडर-17 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय टीम बनना है।''

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए घोषित किया कोर समूह

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरू में शनिवार से भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में शुरू हो रहे राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए 39 सदस्यीय पुरुष हॉकी के कोर समूह की घोषणा कर दी है। राष्ट्रीय टीम का चयन कोर समूह में से ही होता है। यह प्रशिक्षण शिविर शिविर 21 मई तक चलेगा। कोर टीम अंतरिम कोच डेविड जॉन, बीजे करियप्पा और शिवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में काम करेगी। इस कोर समूह में से ही एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए टीम को चयन होगा। इसके बाद टीम यूरोप दौरे पर जाएगी। इसमें टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-2023 सत्र के शेष मैचों में बेल्जियम, ग्रेट ब्रिटेन, नीदरलैंड और अर्जेंटीना से खेलना होगा। राउरकेला में हाल ही में विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली जीत से भारतीय टीम अभी एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022-23 सत्र में शीर्ष पर है। कोर समूह में कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन मलिक, प्रशांत कुमार, जरमनप्रीत सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप जेस, संजय, यशदीप सिवाच और दिप्सन तिर्की के अलावा मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरंगथम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकांत शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मो. राहील मौसीन, मनिंदर सिंह, एस कार्थी, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मंजीत, पवन राजभर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

महिला ग्रां प्री: टूर्नामेंट से हटीं ग्रैंडमास्टर अब्दुमालिक, उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे आयोजक

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी टूर्नामेंट को सफल बनाना आयोजकों की जिम्मेदारी रहती है, लेकिन मेहमान खिलाड़ी जब प्रबंधन द्वारा की गई तैयारियों से खुश ना दिखें तो टूर्नामेंट विवादित रूप ले लेता है। दिल्ली में फिडे महिला ग्रां प्री का तीसरा चरण भारत में पहली बार ग्रां प्री आयोजित किया जा रहा है। लेकिन यह विवादित रहा। कजाकिस्तान की एक ग्रैंडमास्टर झांसाया अब्दुमालिक द्वारा आयोजकों पर खराब व्यवहार का आरोप लगाया गया, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। टूर्नामेंट में 12 खिलाड़ी शामिल थे, लेकिन अब 10 प्रतिभागी हैं, जो 5 अप्रैल तक चलेगा।

होटल के स्थान से नाखुश खिलाड़ी

कजाकिस्तान की पहली महिला ग्रैंडमास्टर बनने वाली 23 वर्षीय अब्दुमालिक ने कहा कि वह पीछे हट गई क्योंकि स्थानीय आयोजकों ने इस आयोजन के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं की थी। उनकी मुख्य शिकायत यह थी कि अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने उन्हें दिल्ली हवाईअड्डे पर रिसीव करने और कड़कड़डूमा के लीला एंबियंस होटल में उनके आने-जाने की व्यवस्था करने के लिए किसी को नहीं भेजा, जहां सभी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के लिए रखा गया है। उसने आयोजकों पर यह भी आरोप लगाया है क कि वह होटल के स्थान से नाखुश थी और उसके कमरे में कूड़ा भी पड़ा था।

गलतियां छुपाते नजर आए निदेशक

वहीं महिला ग्रां प्री के टूर्नामेंट निदेशक भरत सिंह चौहान प्रबंधन की गलतियों को छुपाते दिखे। भरत ने कहा, 'उसकी उड़ान उम्मीद से थोड़ी पहले उतरी। जो लोग उन्हें रिसीव करने आए थे, वे एयरपोर्ट पर उनसे नहीं मिल सके। उन्हें हुई किसी भी असुविधा के लिए हमने माफी मांगी है। उसने यह भी शिकायत की कि होटल शहर के बाहरी इलाके में है। लेकिन यह एक पांच सितारा होटल है। विश्व चैंपियनशिप के लिए आए सभी मुक्केबाज वहीं ठहरे हुए थे। मैं इसमें आगे कुछ नहीं कहना चाहता क्योंकि टूर्नामेंट शुरू हो चुका है।'

दुनिया में 13वें स्थान पर काबिज अब्दुमालिक ने आगे आरोप लगाया कि खिलाड़ियों को हवाईअड्डे से होटल तक आधिकारिक परिवहन उपलब्ध नहीं कराया गया। जब वे आखिरकार होटल पहुंचे, तो उन्हें बताया गया कि कमरे तैयार नहीं हैं। भरत चौहान ने अब्दुमालिक के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा, 'टूर्नामेंट के लिए मेरु कैब्स के साथ हमारा अनुबंध है। अन्य खिलाड़ियों को कैब में होटल ले जाया गया। और जहां तक कमरों का संबंध है, प्रत्येक होटल में चेक-इन का समय होता है। हो सकता है कि कोई खिलाड़ी जल्दी आ गया हो और कमरा तैयार होने के लिए कुछ देर इंतजार करना पड़ा हो।'

रविवार को, जब टूर्नामेंट का पहला दौर आयोजित किया गया था, अब्दुमालिक के निराश होने से पैदा हुए असंतुलन के कारण एलिज़ाबेथ पैहत्ज भी भारत की आर वैशाली के खिलाफ अपने खेल के लिए नहीं आई थी। पैहत्ज ने चेसबेस इंडिया से कहा, 'मैं यह स्वीकार नहीं कर सकती कि हर खिलाड़ी एक जैसी शर्तों के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत नहीं करती है। एकल खिलाड़ी के अल्टीमेटम के कारण रंगों के उचित वितरण के साथ नई जोड़ियों का इच्छित समाधान विफल हो गया। भले ही मुझे 6 गोरे और 4 अश्वेत मिलेंगे, यह अन्य खिलाड़ियों के लिए अनुचित है। मैं सभी के लिए एक निष्पक्ष और समान टूर्नामेंट चाहती थी।'

फिडे के अध्यक्ष ने मांगी माफी

कुछ प्रतिभागियों द्वारा फिडे को घटना के बारे में अपनी चिंताएं व्यक्त करने के बाद, अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष अरकडी ड्वोर्कोविच ने कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) की ओर से, मैं महिला ग्रैंड प्रिक्स के गलत संचालन के लिए माफी मांगता हूं।। आपके द्वारा अनुभव की गई समस्याओं और असुविधाओं के लिए हमें गहरा खेद है, जिसके कारण एक खिलाड़ी टूर्नामेंट से हट गया। सभी तर्कों को ध्यान में रखते हुए, हमने भारत में महिला ग्रां प्री टूर्नामेंट को जारी रखने का फैसला किया है। हम महिलाओं के टूर्नामेंट के आयोजन के लिए दिशानिर्देशों और मानकों की पूरी तरह से समीक्षा करेंगे और खिलाड़ियों के साथ संबंध मजबूत करना सुनिश्चित करेंगे, साथ ही साथ इवेंट-आयोजन टीम की दक्षता में और सुधार करेंगे।'

रोहित अपने फैसले स्वयं लेते थे : कुंबले

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने कहा है कि जब साल 2013 के सत्र में वह मुंबई इंडियंस के मेंटर बने थे। तब रोहित शर्मा को टीम का कप्तान बनाया गया था। कुंबले के अनुसार रोहित अपने फैसले स्वयं लेते थे ओर जो भी कहना होता बिना डरे कह देते थे। कुंबले के अनुसार वह अनुभवी खिलाड़ियों की सुनते जरूर थे पर जो सही लगता वही करते थे। कुंबले ने कहा, वह कहने से नहीं डरते थे कि उन्हें क्या कहना था। उनके पास बहुत अनुभव था और वह उनके पास भी पहुंचे, लेकिन फिर अपने फैसले स्वयं लिए। एक कप्तान से आप यही चाहते हैं। कुंबले ने 2017 में रोहित के नई टीम की कप्तानी करने के बारे में कहा कि तब एक नई टीम थी और कम स्कोर का बचाव करने के मामले में हमने उसे जिस तरह की कप्तानी करते देखा। उसी से नेतृत्व क्षमता सामने आयी। कुंबले ने यह भी कहा कि रोहित को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहते हैं।

सरकार ने गुजरात को देश का नंबर एक विकसित राज्य बनाने के निश्चय के साथ विकास को दी सर्वाधिक अहमियतः केन्द्रीय गृह मंत्री

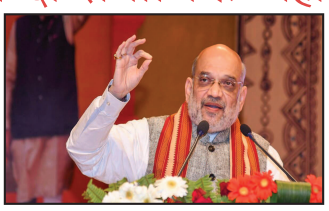

अहमदाबाद । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने गुजरात को देश में विकास के पैमाने में अव्वल राज्य के रूप में स्थापित करने के निश्चय के साथ विकास को सर्वाधिक अहमियत दी है। शुक्रवार को गांधीनगर जिले के माणसा नगर में 56 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के वर्चुअल लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि 'विकास का विचार' महत्वपूर्ण है और उसे साकार करना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि माणसा में मालण-चंद्रासण और मलाव तालाब के आपस में जुड़ने से माणसा क्षेत्र में भूगर्भ जल का स्तर ऊंचा उठेगा और जल क्रांति सृजित होगी। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने माणसा क्षेत्र में अब तक कुल 1182 करोड़ रुपए के विकास कार्यों को साकार किया है। उन्होंने माणसा के विकास कार्यों की अविरत शृंखला के लिए माणसा के नागरिक के तौर पर राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। अमित शाह ने कहा कि माणसा क्षेत्र में नई रेलवे लाइन बिछाने से लेकर 32 तालाबों के निर्माण, लगभग 12 तालाबों को आंतरिक रूप से जोड़ने के काम, चंद्रासण तालाब के सौंदर्यीकरण, शहीद स्मारक के निर्माण, अंबोड स्थित काली माता मंदिर के जीर्णोद्धार, माणसा-गांधीनगर, महुड़ी-पुंद्रा तथा कलोल-माणसा फोरलेन हाईवे के निर्माण के जरिए माणसा क्षेत्र के विकास कार्यों से लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने इसे माणसा के लिए एक ऐतिहासिक घटना बताते हुए भविष्य में माणसा के सार्वजनिक हॉस्पिटल को अत्याधुनिक बनाने के आयोजन के संबंध में भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सांसदों और विधायकों से जागरूक जनप्रतिनिधि बनने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए आह्वान का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एक ऐसे ही आदर्श नेता एवं जागरूक जनप्रतिनिधि हैं। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की भावनाओं और मांगों को हमेशा प्राथमिकता देते हैं, नागरिकों के कल्याण को वरीयता देते हैं। इसके कारण आज गांधीनगर और अहमदाबाद के उनके संसदीय क्षेत्र को विकास का अविरत लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमित शाह अपनी पैतृक भूमि माणसा नगर के विकास के लिए सदैव कटिबद्ध रहे हैं। वे जब अपने पैतृक नगर में आते हैं, तब नागरिकों को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात देते हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि आज माणसा को एक ही दिन में 56 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट मिल रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात में आज तक पैसे के अभाव में विकास का एक भी काम रुका नहीं है। आज माणसा में 17 करोड़ रुपए से अधिक के खर्च से 13 तालाबों के इंटरलिंकिंग (आपस में जोड़ने) और रिचार्ज बोरवेल प्रोजेक्ट तथा 26 करोड़ रुपए के खर्च से भूमिगत सीवरेज परियोजना का शिलान्यास किया गया है।

सांप्रदायिक सौहार्द की अदभुत मिशाल, मुस्लिम बहुल गांव का नाम है 'रामायण'

अहमदाबाद।

पवित्र राम नवमी के अवसर पर गुजरात समेत देश के कई राज्यों में शोभायात्रा के दौरान पथराव और आगजनी की घटनाएं सामने आई थीं। एक-दूसरे के धर्म के प्रति नफरत करने वाले लोगों को गुजरात के गांव से सबक लेना चाहिए, जहां हिन्दू-मुस्लिम ना सिर्फ मिल जुलकर रहते हैं, बल्कि सभी धर्मों का सम्मान भी करते हैं। खासकर राजनीतिक दलों को जो धर्म और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाने का काम करते हैं। उत्तर गुजरात का यह गांव सांप्रदायिक सौहार्द की अदभुत मिशाल है। यह गांव साबरकांठा जिले में अरावली पर्वतमाला के दक्षिण छोर स्थित ईडर तहसील में है। गौर करने वाली बात यह है कि इस गांव में 70 प्रतिशत आबादी मुस्लिमों की है, बावजूद इसके उन्हें गांव का नाम 'रामायण' होने से कोई आपत्ति नहीं है।

पहले इस गांव को प्रतापगढ़ के नाम से जाना जाता था, लेकिन बाद में रामायण धारावाहिक के बाद गांव का नाम बदलकर 'रामायण' रख दिया गया। गांव में 200 जितने घर हैं, जिसमें से 150 मुस्लिमों के हैं। जबकि 50 घर हिन्दुओं के और सभी मिल-जुलकर रहते हैं। मौजूदा दौर में कहीं ना कहीं धर्म और जाति को लेकर आए दिन दंगे-फसाद होते रहते हैं। ऐसे में सांप्रदायिक सौहार्द खासकर मुस्लिम समुदाय का हिन्दू धर्म के प्रति सम्मान उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। मुस्लिम बहुल होने के बावजूद किसी मुसलमान को गांव का नाम रामायण होने पर कोई आपत्ति नहीं है। गांव के मुस्लिम समुदाय का मानना है कि भगवान श्रीराम केवल हिन्दू समुदाय के नहीं बल्कि समूचे विश्व के भगवान हैं और ऐसे गांव में रहना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। गांव में मस्जिद भी है जहां नियमित नमाज अता की जाती है। रामायण गांव के निकट ही 'महाभारत' नामक एक गांव है।

पीएम की डिग्री के मामले में गुजरात हाईकोर्ट से केजरीवाल पर लगाया 25 हजार का जुर्माना

अहमदाबाद।

आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आज गुजरात हाईकोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल पर रु. 25000 का जुर्माना लगाया है। साथ ही मुख्य सूचना आयोग (सीआईसी) के उस आदेश को भी खारिज कर दिया है, जिसमें गुजरात यूनिवर्सिटी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एम.ए. की डिग्री के बारे में जानकारी केजरीवाल को देने का निर्देश दिया गया था। दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात विश्वविद्यालय से स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की होने का बताया जाता है। अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी की शैक्षिक डिग्री कॉपी उपलब्ध कराने की सीईसी से मांग की थी। वर्ष 2016 में सीईसी ने प्रधानमंत्री कार्यालय को निर्देश दिया था कि केजरीवाल द्वारा मांगी गई जानकारी उन्हें दी जाए। सीईसी के आदेश से नाराज गुजरात यूनिवर्सिटी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर दी थी। गुजरात हाईकोर्ट ने पीएम मोदी की डिग्री से जुड़े मामले पर सुनवाई करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर रु. 25000 का जुर्माना लगा दिया। साथ ही सीईसी के 2016 के उस आदेश को भी खारिज कर दिया है, जिसमें उसने गुजरात विश्वविद्यालय को पीएम नरेन्द्र मोदी की डिग्री के बारे में जानकारी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को देने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने केजरीवाल को आदेश दिया है कि वह रु. 25000 का जुर्माना गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराएं। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अरविंद केजरीवाल का ट्वीट सामने आया है। जिसमें केजरीवाल ने लिखा च्च्क्या देश को ये जानने का भी अधिकार नहीं है कि उनके पीएम कितना पढ़े हैं? कोर्ट में इन्होंने डिग्री दिखाए जाने का ज़बरदस्त विरोध किया। क्यों? और उनकी डिग्री देखने की माँग करने वालों पर जुर्माना लगा दिया जायेगा? ये क्या हो रहा है? अनपढ़ या कम पढ़े लिखे पीएम देश के लिए बेहद ख़तरनाक हैं।ज्ज

गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन जारी रिकार्ड के मुताबिक पीएम मोदी ने वर्ष 1981 से 1982 के दौरान एम.ए. इन पॉलिटिक्स सायंस एक्सटर्नल में किया था। वेबसाइट पर जारी रिकार्ड के मुताबिक नरेन्द्र मोदी ने पार्ट-1 और पार्ट-2 दोनों परीक्षा में कुल 800 में से 499 अंक के साथ फर्स्ट क्लास ग्रेड प्राप्त किया था। गुजरात विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पहले की सभी परीक्षाओं के रिकार्ड स्कैनिंग कर डिजिटिलाइज किए हैं। जिसमें पीएम मोदी की एम.ए. की डिग्री का रिकार्ड भी शामिल है जो वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस रिकार्ड के मुताबिक पीएम मोदी ने 1981 में एम.ए. पार्ट-1 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी।

यूएई के सैफ जोन से अपने व्यापार को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने को लेकर एसोचैम आयोजित करेगा बी2बी बैठकें

सूरत भूमि, सूरत ।

देश में इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) द्वारा 3 और 4 अप्रैल को सूरत के पार्क इन बाय रेडिसन होटल में यूएई से आने वाले शारजाह सरकार के शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (सैफ) जोन के उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों की क्षेत्रीय उद्योगपतियों की बी2बी बैठकें आयोजित करवाई जाएंगी।

इन मीटिंग का विषय होगा "यूएई के सैफ जोन से व्यापार को वैश्विक स्तर पर बढ़ाना"। यह कार्यक्रम सदर्न गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से एवं अन्य संस्था जैसे कि जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया, सूरत डायमंड एसोसिएशन, सूरत ज्वैलरी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, सूरत मैनेजमेंट एसोसिएशन , साउथ गुजरात इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन के साथ मिलकर आयोजित किया जाएगा। इन मुलाकातों के जरिए शहर के उद्योगपतियों को यूएई के फ्री ट्रेड जोन में व्यापार शुरू करने के फायदों के बारे में बताया जाएगा और साथ ही यह भी जानकारी दी जाएगी कि किस तरह भारतीय कंपनियां यूएई में अपना व्यापार स्थापित करके पूरी दुनिया में अपने उत्पादों का निर्यात कर सकती हैं।

एसोचैम गुजरात के अध्यक्ष श्री चिंतन ठक्कर ने बताया कि, "हमने ऐसा पाया है कि लोगों में यूएई के फ्री ट्रेड जोन को लेकर जागरूकता बहुत कम है और यही एक कारण है कि हमने अपना कार्यक्रम सूरत में रखने का निर्णय लिया, जिससे कि हम उद्योगपतियों में जागरूकता बढ़ा सकें और साथ ही उन्हें अपना व्यवसाय वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए सभी सहायता प्रदान कर सकें। भारत से और विशेष रूप से गुजरात से फूड प्रोसेसिंग, कपड़ा, डायमंड ऐसे प्रमुख क्षेत्र है जिनका निर्यात यूएई में होता है। हम चाहते हैं कि यह सभी उद्योग सैफ जोन में भी निवेश करें और अपने व्यवसाय को बढ़ाएं।"

उद्योगों के प्रतिनिधि इस महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बनकर अपने व्यवसाय का वैश्विक स्तर पर विस्तार कर सकते हैं। इसके लिए किसी भी प्रकार की रजिस्ट्रेशन फीस देना जरूरी नहीं है लेकिन रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन के लिए श्री दीर्घकुमार कुमार सोनी से उनके नंबर +91 9427079070 पर संपर्क कर सकते हैं या उनका ईमेल आईडी dirghakumar.soni@assocham.com पर ईमेल लिख सकते हैं।

पार्ले एग्रो ने 'स्मूध फ्रुट लस्सी' की पेशकश की

पार्ले एग्रो ने अपने डेयरी ब्राण्ड स्मूध के तहत एक और नया उत्पाद स्मूध फ्रुट लस्सी लॉन्च किया है। नये लॉन्च हुए इस उत्पाद का रोजाना सेवन किया जा सकता है। मन को खुश कर देने वाली यह लस्सील तरह-तरह के फ्लेवर्स में आती है और इसमें स्वादिष्ट फलों और दही की अच्छाइयों का शानदार संयोजन है। पार्ले एग्रो ने स्मूध फ्रुट लस्सी के लिये अपने नेशनल ब्राण्डव एम्बसेडर वरुण धवन के साथ एक नया कैम्प न लॉन्च किया है।

स्मूध फ्रुट लस्सी में बेवरेजेज, दही और फलों के लिये भारत के प्यार की प्रशंसा की गई है। इन तीनों पसंदीदा चीजों के मिलने से पार्ले एग्रो की फ्रुट लस्सी का ताजगी देने वाला और स्वादिष्ट मिश्रण तैयार होता है, जिसे उपभोक्ता अपने दैनिक आहार में शामिल कर सकते हैं। यह गाढ़ी, क्रीम से भरी और स्वाषद से भरपूर लस्सी तीन अलग वैरियेंट्स में आती हैं- 'ग्वावा चिली', जोकि मीठे अमरुद और तीखी मिर्च का देसी मिश्रण है, 'बनाना रम फ्लेवर', जो गर्माहट के साथ केले का मीठा स्वाद देती है और 'मिक्ड् बेरीज', जो स्ट्रॉ बेरीज, ब्लूबेरीज और क्रैनबेरीज का एक स्वाजदिष्ट मिश्रण है। यह स्वाद भारतीयों की पारंपरिक पसंद को ध्यान में रखकर सावधानी से तैयार किये गये हैं।

किफायती दामों पर उच्च गुणवत्ता के और स्वादिष्ट पेय देने के अपने मिशन में, पार्ले एग्रो ने स्मूध फ्रुट लस्सी को शानदार दाम में लॉन्च किया है। इसके कार्टन पैक की कीमत सिर्फ 10 रुपये है। बड़े पैक की जरूरत को ध्यायन में रखते हुए, स्मूध फ्रुट लस्सी पकड़ने में आसान पेट बॉटल्स में भी उपलब्ध हैं और ऐसी बॉटल का मूल्य 15 रुपये है। अभी देश के बाजार में ऐसी कीमतों की पेशकश करने वाला कोई दूसरा डेयरी बेवरेज ब्राण्ड नहीं है। स्मूध फ्रुट लस्सी के लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, पार्ले एग्रो की संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं सीएमओ नादिया चौहान ने कहा, "भारत डेयरी से प्या र करने वाला देश है। इस बात को ध्यान में रखकर और स्मूध फ्लेवर्ड मिल्कन की भारी सफलता को देखते हुए, हमने अपने स्मूध डेयरी ब्राण्ड् का विस्तार किया है और एक और बेजोड़ पेशकश स्मूकध फ्रुट लस्सी लॉन्च की है। भारत के लोग दशकों से फलों और दही को काफी पसंद करते हैं। हमारी नई पेशकश से उपभोक्ताओं को सिर्फ 10 रूपये में अनोखे स्वादों की विविधता में अपना पसंदीदा स्नैक पीने योग्य रूप में मिलेगा। ऐसी पेशकश भारत के बाजार में पहले कभी नहीं हुई है।"

"श्रीराम की कहानी, एकल श्रीहरि की जुबानी" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

आयोजन में एकल श्रीहरि की गौ ग्राम योजना प्रमुख मंजु मित्तल ने माता शबरी के किरदार में बहुत ही भावुक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया । कार्यक्रम का निर्देशन मेंटर श्रेया बावेजा ने किया । इस मौक़े पर एकल श्रीहरि महिला समिति की अध्यक्ष कुसुम सर्राफ़, सुषमा अग्रवाल, सुमन गाडया, रश्मी साबु सहित एकल अभियान के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहें । देर शाम तक चले कार्यक्रम अनेकों लोग उपस्थित रहें एवं तालियों से सभी का उत्साह बढ़ाया । लिंक की पूजा - एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा ऑनलाइन हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जा रहा है । छः अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव तक चलने वाले आयोजन के लिए ऑनलाइन लिंक की गुरुवार को वीआईपी रोड स्थित श्याम मंदिर में पूजा की गई । इस मौक़े पर अनेकों लोगों ने आना रजिस्ट्रेशन करवाया ।

क्रोडा इंडिया दाहेज, गुजरात में ग्रीनफील्ड मैनुफैक्चरिंग प्लांट में 500 करोड़ रु. का निवेश करेगा

यूके स्थित क्रोडा इंटरनेशनल पीएलसी की सब्सिडियरी, क्रोडा इंडिया, जो जीवन में सुधार लाने वाली हाई परफॉर्मेंस सामग्री और टेक्नॉलॉजी विकसित करने के लिए स्मार्ट साईंस का उपयोग करती है, ने आज दाहेज, गुजरात में अपने ग्रीनफील्ड मैनुफैक्चरिंग प्लांट की नींव रखी। इसमें पहले चरण में 500 करोड़ रु. का निवेश किया जाएगा।

क्रोडा इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, मुरली दुवुरी ने कहा, ''यह ग्रुप भारत में दो दशक से ज्यादा समय से है, और अहमदाबाद में अपने ऑफिसों के साथ नवी मुंबई में एक विश्वस्तरीय मैनुफैक्चरिंग और इनोवेशन केंद्र का संचालन करता है। दाहेज में निवेश भारतीय बाजार के लिए हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, और यह वृद्धि के लिए इसकी अपार क्षमता का प्रमाण है।''

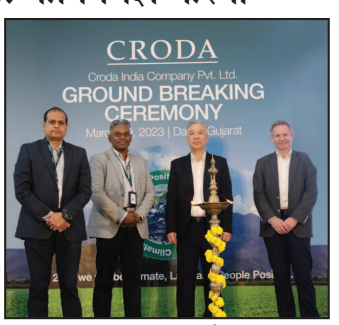

इस नई सुविधा द्वारा अपने कंज्यूमर केयर उत्पादों की बढ़ती क्षेत्रीय मांग और फार्मा एवं क्रॉप केयर के बढ़ते अवसरों को पूरा करने के लिए क्रोडा की क्षमता बढ़ेगी, ताकि इसके ग्राहकों को आधुनिक एवं सस्टेनेबल समाधान प्राप्त हो सकें। इससे एशिया में तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इसकी निर्माण क्षमता का विस्तार होगा।

क्रोडा की निर्माण क्षमता का विस्तार करने के अलावा दाहेज साईट कंपनी के सस्टेनेबिलिटी के उद्देश्य में मदद करती है, और यह जीरो कार्बन एवं जीरो लिक्विड डिस्चार्ज कंपनी है।

क्रोडा इंटरनेशनल ने 2022 में 2 बिलियन पाउंड से ज्यादा की ऐतिहासिक सेल दर्ज की और पहली बार 500 मिलियन पाउंड से ज्यादा ऑपरेटिंग लाभ अर्जित किया। 39 देशों में संचालन करते हुए क्रोडा जीवन विज्ञान और उपभोक्ता बाजारों में उत्कृष्टता प्रदान करने वाले समाधान उपलब्ध कराने पर केंद्रित है।

वादी - सैयदना ताहेर फखरुद्दीन - दाउदी बोहरा उत्तराधिकार वाद में माननीय न्यायमूर्ति गौतम पटेल के समक्ष प्रत्युत्तर अंतिम दलीलें पूरी करते है

मुंबई । 1 मार्च से शुरू होकर, माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय में चल रहे उत्तराधिकार मुकदमे में वादी के प्रत्युत्तर तर्क 24 मार्च को माननीय न्यायमूर्ति गौतम पटेल के समक्ष समाप्त हो गए।श्री देसाई ने दाऊदी बोहरा समुदाय के मूलभूत सिद्धांतों को बताते हुए शुरुआत की। उन्होंने प्रस्तुत किया कि नस के लिए अन्य गवाहों को सम्मानित करने की कोई आवश्यकता नहीं है, और यह कि नस को निजी तौर पर केवल नियुक्तकर्ता और नियुक्त व्यक्ति के साथ ही सम्मानित किया जा सकता है।

श्री देसाई ने तर्क दिया कि प्रतिवादी - मुफद्दल सैफुद्दीन - ने अपनी स्थिति का समर्थन करने के लिए कई अस्पष्ट और अविश्वसनीय पुस्तकों और दस्तावेजों को सूचीबद्ध किया है कि एक वैध नस के लिए कम से कम 2 बाहरी गवाहों की आवश्यकता होती है। श्री देसाई ने प्रतिवादी के सूत्रों से ऐसे उदाहरण दिए जो उनके अपने रुख का खंडन करते हैं। जैसा कि श्री देसाई ने तर्क दिया, 52वें दाई ने 10 दिसंबर 1965 को एक निजी संवाद में मूल वादी सैयदना खुजैमा कुतुबुद्दीन साहब को नस प्रदान किया। उसी दिन बाद में एक धर्मोपदेश में जिसमें 52वें दाई ने सैयदना कुतुबुद्दीन को अपना माजून नियुक्त किया (दाई के बाद दूसरा सर्वोच्च पद), 52वें दाई ने सैयदना कुतुबुद्दीन पर नस कर उन्हे अपने "सबसे प्यारे बेटे" के रूप में पहचान कर उच्च आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त करने वालों के लिए पहचान कराई।

श्री देसाई ने आगे तर्क दिया कि 51वें दाई द्वारा सैयदना कुतुबुद्दीन को लिखे गए एक हस्तलिखित पत्र (मिसाल) में प्रदर्शित किया कि 51वें दाई ने सैयदना कुतुबुद्दीन को उत्तराधिकारी के रूप में देखा क्योंकि उन्होंने लिखा था कि सैयदना कुतुबुद्दीन को इमाम से दिव्य प्रेरणा की एक बहती हुई धारा मिली थी। श्री देसाई ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड पर ऐसा कोई सबूत नहीं है जो यह कहे कि दाई या भविष्य के दाई के अलावा किसी को भी इमाम से दैवीय प्रेरणा मिलती है। इस पर और रिकॉर्ड में मौजूद अन्य सबूतों पर भरोसा करते हुए, श्री देसाई ने तर्क दिया कि 51वें दाई के निधन से 5 साल पहले, 1960 में संकेत मिले थे कि सैयदना कुतुबुद्दीन को 53वां दाई समझा जाता था।

श्री देसाई ने तर्क दिया कि प्रतिवादी ने 1965 और 1988 के बीच सैयदना कुतुबुद्दीन को मंसूस (उत्तराधिकारी) के रूप में स्वीकार और स्वीकृत किया, जिसमें उन्हें 52वें दाई के साथ सामूहिक रूप से "बेवे मौला" जैसे शब्दों के साथ संबोधित करना शामिल है, जो एक दाई और मंसूस के लिए विशेष है, और उन्हें सजदा (साष्टांग प्रणाम) भी किया।

प्रतिवादी के इस मामले का खंडन करते हुए कि 52वें दाई ने चार अलग-अलग मौकों पर प्रतिवादी को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया, श्री देसाई ने कथित अवसरों में से एक, 20 जून 2011 का वीडियो दिखाकर शुरू किया, और कई कारणों से तर्क दिया कि 52वें दाई ने नस को सम्मानित नहीं किया, जैसा कि प्रतिवादी ने दावा किया था। उन्होंने समझाया कि 52वें दाई विचलित थे, प्रतिवादी को पहचानने में असमर्थ थे और दर्शकों द्वारा समझे या सुने जाने में असमर्थ थे। इस तर्क के समर्थन में, श्री देसाई ने बताया कि 52वें दाई ने लगातार प्रतिवादी को "शेख मोहम्मद" के रूप में संदर्भित किया, जबकि डॉ. नूरुद्दीन ने "मुफद्दल" नाम का संकेत दिया था।

देश में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए भारतपे ने वूमैन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली । फिनटेक उद्योग में भारत के अग्रणी नामों में से एक भारतपे ने आज वूमैन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य पूरे भारत में महिला उद्यमियों की व्यावसायिक विकास की यात्रा में सहयोग करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। साझेदारी के तहत एक ऐसे मजबूत ईकोसिस्टम का निर्माण किया जाएगा, जिसमें देशभर के विभिन्न हिस्सों से महिला उद्यमियों को एक प्लेटफॉर्म पर एकत्र किया जाएगा। साथ ही, उन्हें आवश्यक डोमेन ज्ञान के साथ-साथ अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय और तकनीकी जानकारी से लैस भी किया जाएगा। फोकस क्षेत्र अपनी तरह के पहले एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म के विकास की सुविधा प्रदान करेगा जो सहकर्मी सहायता, सलाह, नेटवर्किंग चैनल और लर्निंग रिसोर्सेज की एक विस्तृत रेंज तक पहुंच प्रदान करता है।

भारतपे ग्रुप द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल 'भारतपे केयर्स' के तहत लॉन्च की गई यह साझेदारी नए और विश्वसनीय फिनटेक समाधानों के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने की ब्रांड फिलॉसफीके अनुरूप है। यह विशिष्ट पहल भारतपे कंपनी पेबैक के सीएसआर कार्यक्रम के तहत है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा की गई छठी आर्थिक जनगणना के अनुसार, भारत में कुल उद्यमियों में महिलाओं की संख्या केवल 13.76 प्रतिशत है, जो कि कुल 58.5 मिलियन उद्यमियों में से 8.05 मिलियन के आसपास है। यह आंकड़ा बताता है कि महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने की आवश्यकता है ताकि वे अपने सपनों को पूरा कर सकें। इस बात को ध्यान में रखते हुए, साझेदारी का उद्देश्य भारत में पूरे परिदृश्य में महिला उद्यमियों के सामने आने वाली बाधाओं को दूर करना है और उन्हें एक समान सुविधाएं प्रदान करना है जिसमें महिलाओं को विकास के समान अवसरों का आनंद मिल सके।

इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए भारतपे के सीएफओ और अंतरिम सीईओ नलिन नेगी ने कहा, ''हालांकि भारत एक स्टार्टअप और यूनिकॉर्न हब है, लेकिन देश में महिला उद्यमियों की हिस्सेदारी अभी भी कम है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि भारत में महिलाओं के बीच उद्यमिता से संबंधित संभावनाओं को सामने लाना अभी बाकी है। अनलॉक करने की एक बड़ी अप्रयुक्त क्षमता है। वूमैन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म देश में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में सक्रिय है, और हमें उनके साथ साझेदारी करने पर गर्व है, क्योंकि महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने के मामले में हम दोनों संगठनों का विजन एक समान है।''

उन्होंने आगे कहा, ''एक स्वदेशी फिनटेक के रूप में, महिला सोलोप्रेन्योर्स और छोटे व्यवसाय मालिकों के साथ हमारे नियमित जुड़ाव ने हमें उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझने में मदद की है- सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय जानकारी, नेटवर्किंग चैनल, मेंटरशिप और धन उगाहने के अवसरों तक पहुंच की कमी है। इसके अलावा, एक उद्योग रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिला उद्यमी 2030 तक 150-170 मिलियन नौकरियां तैयार कर सकती हैं, जो कि पूरी कामकाजी उम्र की आबादी के लिए आवश्यक नई नौकरियों का 25 प्रतिशत से अधिक है। इस प्रकार, महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने से रोजगार सृजन के माध्यम से अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा, और यह भारत को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। वूमैन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म के साथ हमारी साझेदारी का उद्देश्य मौजूदा अंतराल को दूर करने और महिला उद्यमियों के विकास में सहायता करने के लिए तैयारशुदा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को सुविधाजनक बनाना है।''

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)